बी.ए. पाठ्यक्रम

(LOCF)

(वर्ष 2021–22)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिंदी**	**I**	**HIN-CC-111**	**हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives:- इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और साहित्य क्रमिक इतिहास से परिचित करवाना है, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष हिंदी भाषा के उद्भव और विकास की एक स्पष्ट रूपरेखा विकसित होगी ,साथ ही वे साहित्यैतिहास लेखन की विभिन्न विधियों से भी परिचित हो पायेंगे। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक कालखंड की सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आलोक में तत्कालीन साहित्य में निहित प्रवृत्तियों, मूल्यों और उनके प्रभाव पर विशद रूप से चिंतन कर सकेंगे।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर विद्यार्थी :-

इकाई -1 - प्राचीन भारतीय आर्य भाषा काल, मध्यकालीन आर्य भाषा काल तथा आधुनिक भारतीय आर्य भाषा काल के अंतर्गत संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश के विकास का क्रमिक अध्ययन करते हुए हिंदी की विभिन्न बोलियों का विस्तृत परिचय देना। साथ ही हिंदी साहित्य के प्रथम कालखंड 'आदिकाल' की समयसीमा, नामकरण, विशेषताओं तथा मुख्य रचनाकारों और उनकी रचनाओं पर विमर्श्।

इकाई-2 भक्तिकाल की पृष्ठभूमि को समझते हुए भक्ति आंदोलन के उदय, विकास और प्रभाव को समझ सकेंगे। साथ ही सगुण भक्तिधारा और निर्गुण भक्तिधारा के रूप में उपलब्ध भक्तिकालीन साहित्य के स्वरुप, विशेषताओं और प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी रचनाओं से अवगत हो सकेंगे।

इकाई -3 रीतिकाल की समय सीमा और नामकरण पर विचार करते हुए रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि पर चर्चा, जिसके माध्यम से विद्यार्थी रीतिकालीन साहित्य की मुख्य प्रवृत्तियों को समझते हुए रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य धाराओं के स्वरुप, विशेषताओं और प्रमुख कवियों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 4 युगीन राजनीतिक - सामाजिक - सांस्कृतिक परिस्थितियों और मूल्यों परिप्रेक्ष्य में आधुनिकता की अवधारणा को समझते हुए भारतेंदु युगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य के स्वरुप और प्रवृत्तियों के साथ ही गद्य विधा के उद्भव और विकास पर चर्चा करना, ताकि विद्यार्थी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकें और साहित्य के आधुनिक स्वरूप से परिचित हो सकें।

इकाई - 5 छायावाद,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद की वैचारिक पृष्ठभूमि,स्वरूप और विशेषताओं पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को पंत, निराला, महादेवी, प्रसाद,केदारनाथ अग्रवाल, रामविलास शर्मा, नागार्जुन, शिवमंगल सिंह सुमन, अज्ञेय ,मुक्तिबोध आदि रचनाकारों के साहित्य में निहित जीवनबोध, कलात्मक बोध से विद्यार्थियों को परिचित करवाना, ताकि वे साहित्य के अविरल स्वरुप और समाजिक योगदान को अधिक व्यापकता में समझ सकें। साथ ही नयी कविता, समकालीन कविता, नयी कहानी, समकालीन कहानी के प्रमुख रचनाकारों और उनकी रचनाओं से भी विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A./B.Com. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A./B.Com. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A. & B.com.	**हिंदी (MIL)**	**I & III**	**HIN-LN-111 HIN-LN-311**	**आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी -** हिंदी भाषा और साहित्य: हिंदी (क)	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives:- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराते हुए हिंदी साहित्य के इतिहास से अवगत कराना है।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी:-

इकाई- 1 इस यूनिट में विद्यार्थी हिंदी भाषा के उद्भव और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त करने साथ वर्तमान मानक हिंदी को समृद्ध करने वाली बोलियों से भी परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 2 हिंदी साहित्य का आरंभ आदिकाल के अंतिम चरण से ही हो जाता है। इस यूनिट में हिंदी साहित्य के संक्षिप्त परिचय के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य की विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त करेंगे साथ ही विविध कालों की महत्वपूर्ण रचनाओं और रचनाकारों से भी परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 3 भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन हिंदी कविता के अंतर्गत विद्यार्थी कबीरदास एवं सूरदास के काव्य को पढते हुए इन कवियों के द्वारा स्थापित उच्च नैतिक मूल्यों एवं आदर्शों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 4 आधुनिक काल में हिंदी का मानक स्वरुप दिखाइ देता है। इस काल की कविताओं में राष्ट्रप्रेम, प्रकृति चित्रण एवं उच्च आदर्शों की प्रतिष्ठा हुई जिसे विद्यार्थी निराला,प्रसाद एवं दिनकर जी की कविताओं के माध्यम से जान सकेंगे।

इकाई - 5 समकालीन कविता यानि 'नई कविता' के अंतर्गत नए जीवन मूल्यों को,मनुष्य की आधुनिक जीवन शैली, दृष्टिकोण, समाज की विसंगतियों, शोषण, विडंबनाओं आदि को जानना और उनके उत्तर तलाशने की चेतना विद्यार्थियों में जागृत हो इसलिए अष्टभुजा शुक्ल, राजेश जोशी, अनामिका जैसे नये कवियों की कविताएं पढाई जा रही हैं।

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of B.A./B.sc/B.com Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of B.A. / B.Sc./ B.Com. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A./ B.sc./ B.Com.	**हिन्दी**	**I & II**	**HIN-FC-111 & HIN-FC-211**	**हिंदी भाषा और सम्प्रेषण**	**MID - 40 End Sem-60**	**02**

Course Objectives:- हिंदी भाषा और सम्प्रेषण के अध्यपन का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी सम्प्रेषण के सभी तत्वों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी:-

इकाई -1 भाषा शास्त्रियों ने अपने - अपने सिद्धांत स्थापित किए हैं। विद्यार्थी इस यूनिट को पढते हुए सम्प्रेषण के विभिन्न सिद्धांतों, उसकी अवधारणा और महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई -2 इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सम्प्रेषण के विविध प्रकारों से परिचित कराना तथा सफल सम्प्रेषण की रणनीति एवं उसमें आने वाली बाधाओं से अवगत कराना है।

इकाई - 3 इसके माध्यम से विद्यार्थी सम्रेषण के प्रकार और माध्यमों का विस्तार से उदाहरण सहित अध्ययन करेंगे।

इकाई - 4 सम्प्रेषण के लिखित माध्यमों के रूप में आत्मकथा का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी महामना दानवीर डॉ.हरीसिंह गौर के जीवन को निकट से देखकर - जानकर प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई - 5 सम्प्रेषण के मौखिक माध्यमों के रूप में दो भाषणों को लिया गया है। महात्मा गांधी एवं प्रेमचंद के द्वारा महत्वपूर्ण अवसरों पर दिए गए भाषण विद्यार्थियों का पथ प्रशस्त करेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**II**	**HIN-CC-211**	**हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर हिंदी कविता में भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल के कवि और कविता के सन्दर्भ में विभिन्न दृष्टियों एवं धाराओं से एक व्यवस्थित और तार्किक समझ विकसित करना है. साथ ही मध्यकाल और आधुनिक काल के साहित्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं धार्मिक सम्बन्ध में अपनी एक स्वस्थ साहित्यिक बोध का निर्माण कर सकेंगे.

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में भक्तिकालीन कवियों के काव्य से सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक और धार्मिक स्थिति सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती है। प्रमुख रूप से कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, जायसी आदि अन्य कवियों की वर्तमान में प्रासंगिकता को भी समझ पायेंगे।

Unit 2 : इस इकाई के द्वारा रीतिकालीन सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के साथ-साथ दरवारी समस्याओं की समझ पैदा होती है। रीतिकालीन साहित्य से इस समय की स्त्रियों की दशा को भी जान पायेंगे। इस इकाई में बिहारी और धनानंद के साहित्य का अवलोकन से नवीनता को प्राप्त करेंगे।

Unit 3: प्रस्तुत इकाई में प्रसाद, निराला और दिनकर के साहित्य का अध्ययन करके आधुनिक काल को समझ पायेंगे।

Unit 4: इस इकाई में अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, मुक्तिबोध, भवानी प्रसाद मिश्र की कविताओं से सामाजिक स्थिति और परिस्थिति को समझेंगे तथा समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों से भी परिचित होंगे।

Unit 5 : हिन्दी के कुछ अन्य कवियों केदारनाथ सिंह, ओमप्रकाश वाल्मीकि, उदय प्रकाश और सुशीला टाक भौरे की कविताओं के मध्यम से समाज में व्याप्त छुआछूत, ऊँच-नीच, भेदभाव, जाति-व्यवस्था और वर्णव्यवस्था से परिचित होंगे तथा इन कवियों के जीवन संघर्ष से प्रेरित होकर अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष करेंगे और जीवन कैसे जिया जाय यह भी जान पायेंगे तथा सामाजिक जीवन और साहित्यिक सम्बन्ध स्थापित कर पायेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर
Scheme of B.A. & B.Com Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. & B.Com. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A. / B.Com.	**हिन्दी**	**II & IV**	**HIN-LN-211 /411**	**आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी हिंदी गद्य: उद्भव और विकास(ख)**	**MID - 40 End Sem- 60**	**06**

Course Objectives: - हिंदी गद्य साहित्य का उद्भव 19वीं शताब्दी में हुआ। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को गद्य के उद्भव और विविध विधाओं के रूप `में हुए उसके विकास से परिचित कराना है।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी:-

इकाई -1 इस इकाई का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी हिंदी गद्य साहित्य की सभी 16 विधाओं का सामान्य परिचय प्राप्त करते हैं ।

इकाई -2 हिंदी गद्य साहित्य की महत्वपूर्ण विधा 'कहानी' का उद्भव और विकास पढने के साथ ही मानवीय संवेदनाओं को धार देने वाली तीन कहानियों ठाकुर का कुंआ - प्रेमचन्द , तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम - रेणु और जंगल - चित्रा मुद्गल को पढेंगे।

इकाई- 3 हिंदी गद्य साहित्य की निबंध विधा के उद्भव, विकास और विशेषताओं का अध्ययन करने के साथ, इस कसौटी पर कसते हुए श्रेष्ठ निबंधों - उत्साह - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, तथा भाषा बहता नीर - कुबेरनाथ राय का अध्ययन करेंगे।

इकाई- 4 व्यंग्य गद्य साहित्य में एक नयी विधा के रूप में स्थापित विधा है, इसके समग्रत: अध्ययन के लिए दो व्यंग्य कहानियों का अध्ययन करेंगे - भोलाराम का जीव हरिशंकर परसाई और जीप पर सवार इल्लियां - शरद जोशी ।

इन व्यंग्य कहानियों के माध्यम से विद्यार्थी समाज की विसंगतियों का परिचय प्राप्त करेंगे और उसे सुधारने की दिशा में प्रेरित होंगे।

इकाई - 5 गद्य साहित्य की प्रकीर्ण विधाओं में संस्मरण एक महत्वपूर्ण विधा है। महत्वपूर्ण व्यक्तियों के जीवन और उनसे जुडे प्रेरक प्रसंग विद्यार्थियों के जीवन की सार्थकता के लिये मार्गदर्शक होते हैं। अत: यहां वसंत का अग्रदूत - अज्ञेय, दमडी - दमडी माया जोडी - डॉ. हरीसिंह गौर - कांतिकुमार जैन, इन दो संस्मरणों का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए लाभदायक एवं मंगलदायक सिद्ध होगा। (इन्हें पढानें का) इनके अध्यापन का उद्देश्य है।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-CC-311**	**हिंदी कथा साहित्य**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी विद्यार्थियों को हिंदी कथा साहित्य के इतिहास, स्वरूप,प्रवृत्तियों और शिल्पगत विशेषताओं से परिचित करवाना है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी कथा साहित्य के क्रमिक विकास से परिचित होंगे साथ ही वे हिंदी की कुछ महत्वपूर्ण कहानियों और उपन्यास का गहन अध्ययन भी करेंगे, जिससे उनमें जीवन और कथा साहित्य के अंतरसबन्धों की समझ विकसित होगी, तथा रचनाओं के प्रति विश्लेषणात्मक नज़रिया विकसित करने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक साबित होगा।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी -

इकाई - 1 हिंदी कहानी के उद्भव और विकास को समझते हुए युगानुरूप सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के आलोक में प्रमुख कहानी आंदोलनों के प्रति समझ सकेंगे।

इकाई - 2 'उसने कहा था','दो बैलों कि कथा' तथा 'रोज' कहानी के आधार पर पूर्व प्रेमचंद, प्रेमचन्द युगीन तथा प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य के स्वरुप और तदयुगीन सामाजिक परिस्थितियों के प्रति समझ विकसित होगी , साथ ही विद्यार्थियों में शाश्वत मानवीय मूल्यों, नैतिक मूल्यों के विकास होगा जिससे वे अधुनिक मशीनी जीवन के विप्रूदाओं को समझ सकेंगे।

इकाई -3 सलाम','पगहा जोरी जोरी रे घटो' तथा 'बोलने वाली औरत' के विश्लेषणात्मक अध्ययन से दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श और स्त्री विमर्श के प्रति विद्यार्थियों में सूक्ष्म भावबोध विकसित करना , ताकि वे साहित्यिक विमर्शों की आवश्यकता और सार्थकता को समझ सकेंगे।

इकाई -4 हिंदी उपन्यास (विधा) के उद्भव, विकास युगानुरूप प्रवृत्तियों और विशेषताओं पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास के क्रमिक इतिहास से परिचित होंगे।

इकाई -5 'आपका बंटी' उपन्यास के माध्यम से बाल मन की कोमल संवेदनाओं का चित्रण करते हुए व्यक्ति के जीवन में परिवार और समाज की भूमिका को समझने का प्रयास करना ताकि विद्यार्थियों में आधुनिक जीवनशैली में बिखरते परिवारों और उनमें पिसते अबोध बालमन के प्रति मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझ और अपना सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-SE-311**	**रचनात्मक लेखन (क)**	**MID - 40 End Sem-60**	**02**

Course Objectives - इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनाशीलता को विकसित करना है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के अर्थ, स्वरूप और उद्देश्य से परिचित होंगे साथ ही लेखन की पूरी प्रक्रिया को भी समझ सकेंगे। जिससे उनमें विधागत लेखन की समझ और क्षमता विकसित होगी, साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में आम बोलचाल की भाषा,शास्त्र की भाषा तथा साहित्य की भाषा के मध्य अंतर की समझ को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा और विद्यार्थियों की सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक चेतना का परिष्कार करेगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी -

इकाई - 1 विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के अर्थ और स्वरुप से परिचित होकर इसके महत्व हो समझ सकेंगे, साथ उनमें रचनात्मक लेखन के प्रमुख तत्वों और व्यापक उद्देश्य की समझ भी विकसित होगी। साथ ही उनका कविता, कथा और नाटक इत्यादि के क्षेत्र में अभिव्यक्ति कौशल विकसित होगा।

इकाई - 2 इस क्रम में विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के उद्देश्य, प्रक्रिया और समस्याओं से रुबरू होंगे तथा उनमें साहित्य, पत्रकारिता एवं गद्य लेखन के क्षेत्र में रचनात्मक लेखन के प्रति समझ विकसित होगी।

इकाई -3 प्रस्तुत इकाई में विद्यार्थी रचनात्मक लेखन में समाज की महत्वपूकर्ण भूमिका को समझ सकेंगे। साथ ही उनमें अपने परिवेश की सामाजिक,आर्थिक, राजनीतिक और वर्गीय चेतना के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण का विकास होगा।

इकाई - 4 इस इकाई में विद्यार्थी रचनात्मक लेखन में प्रतिभा, अध्ययन और अभ्यास के महत्व को समझते हुए भाषा की रचना प्रक्रिया की सूक्ष्मताओं को समझ सकेंगे, जिससे उनके लेखन एवं अभिव्यक्ति कौशल में निश्चित ही निखार आयेगा और शब्द की महत्ता से भी वे परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 5 इस इकाई में विद्यार्थी रचनात्मक लेखन के विभिन्न आधुनिक रुपों और उनसे सम्बंधित माध्यमों से परिचित हो पायेंगे तथा इस से उनमें पत्र- पत्रिकाओं के लिये लेखन के साथ ही संचार के अन्य माध्यमों जैसे रेडियों और टेलिविजन,ट्वीटर, ब्लाग़, फेसबुक इत्यादि में लेखन की समझ विकसित होगी।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-CC-411**	**अन्य गद्य विधाएं**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं के स्वरूप और उनके तत्त्वों से परिचित हो पाएंगे, जिससे उनकी विचार शक्ति, और लेखन क्षमता तो विकसित होगी ही साथ उनकी भाषा शैली और अभिव्यक्ति कौशल भी मजबूत होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी:-

इकाई -1 'भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है' तथा 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध के माध्यम से विद्यार्थी क्रमश: भारतेंदु हरीशचंद्र और आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंधशैली से परिचित हो सकेंगे, साथ ही यह निबंध उनमें नैतिक मूल्य, सामजिक बोध, वैचारिक गम्भीरता और तार्किक बुद्धि का विकास हो सकेगा।

इकाई-2 संस्मरण विधा के रूप में 'जंगबहादुर' तथा 'नंगातलाई का गांव' का अध्ययन करते हुए महादेवी वर्मा एवं विश्वनाथ त्रिपाठी जी की रचनाशैली, लोकज्ञान, संस्कृति बोध से अवगत हो सकेंगे, साथ ही उनमें मानवीय भावनाओं, संवेदनाओं और जीवन मूल्यों की गहन समझ विकसित करने में दोनों संस्मरण सहायक सिद्ध होंगे।

इकाई - 3 'आवारा मसीहा' के माध्यम से प्रसिद्ध बांग्ला साहित्यकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन के अज्ञात पहलुओं से परिचित हो पायेंगे, जो उनमें शरत साहित्य के प्रति गहरी समझ विकसित करने में सहायक होगी। यात्रा वृतांत के रूप में 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' के माध्यम से विद्यार्थियों में नदी और मानव सभ्यता के पारस्परिक सम्बन्धों की नवीन समझ विकसित होगी।

इकाई -4 व्यंग्य विधा के रूप में 'सदाचार का ताबीज़' पढते हुए व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की व्यंग्य शैली को समझते हुए विद्यार्थी भ्रष्टाचार की समस्या के मूल स्वरूप और उसके निराकरण के वास्तविक समाधान को समझ सकेंगे। साथ ही भुवनेश्वर द्वारा रचित एकांकी 'स्ट्राईक' आधुनिक जीवन शैली से उपजी कटुता, स्वार्थ, अकेलेपन, और रिश्तों के बिखराव से जूझते मध्यम वर्गीय परिवारों की वस्तुस्थिति से अवगत हो सकेंगे। दोनों ही रचनाएं विद्यार्थियों के भीतर सामाजिक, नैतिक, पारिवारिक मूल्य और समझ विकसित करने में सार्थक साबित होंगे।

इकाई - 5 डायरी विधा के रूप में 'बंजारा मन और बंदिशे' के माध्यम से लेखिका मधु काकरिया की लेखन शैली, जीवन संघर्षो और अनुभवों से परिचित होंगे, साथ ही आत्मकथा के रूप में 'जिव तरसे पिया मिलन को'(कस्तूरी कुंडल बसै) स्त्री जीवन के संघर्षों,समाज द्वारा उन पर पोषित रुढियों, परम्पराओं और लोकाचार के बंधनों को समझते हुए स्त्री विमर्श के प्रति स्वतंत्र बोध विकसित होगा।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिंदी**	**IV**	**HIN-SE-411**	**रचनात्मक लेखन -ख**	**MID - 40** **End Sem-60**	**02**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की रचनात्मक विधाओं के परिचय के साथ हिन्दी साहित्य लेखन के रचनात्मक स्वरूप का आधुनिक सन्दर्भ में अध्ययन विश्लेषण किया जायगा | हिन्दी की वृहद काव्य परम्परा के संरचनात्मक संवेदनात्मक विवेचन के साथ हिन्दी कथा साहित्य, हिन्दी नाट्य साहित्य, हिन्दी निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज आदि की रचनात्मकता का अध्ययन किया जायगा | हिन्दी की रचनात्मकता के साथ आधुनिक संचार एवं सूचना-तंत्र के लिए प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया जिनमे सिनेमा टेलीविजन और विज्ञापन के लिए लिखना इस प्रश्न पत्र के केंद्र में है | इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में रचनात्मक साहित्य के साथ आधुनिक जनसंचार मीडिया के विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन का व्यवहारिक अनुभव होगा जिससे विद्यार्थी हिन्दी शिक्षण के साथ आधुनिक मीडिया में भी सक्षमता से रोजगार हासिल कर सकेंगे |

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1 इस इकाई में हिन्दी भाषा के रचनात्मक लेखन की प्रमुख विधाओं कविता, कहानी, उपन्यास, नाट्य साहित्य, निबंध, संस्मरण, व्यंग्य और रिपोर्ताज आदि का अध्ययन विश्लेषण कर सकेंगे |

UNIT-2 इस इकाई में हिन्दी में विकसित हुई विभिन्न आधुनिक गद्य विधाओं की आधारभूत संरचना के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे | (इनमे निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रिपोर्ताज के साथ बाल साहित्य भी शामिल है)

UNIT-3 इस इकाई में आधुनिक जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन जैसे फीचर लेखन, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार और पुस्तक समीक्षा से परिचित हो सकेंगे |

UNIT-4 इस इकाई में विद्यार्थियों को इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए लेखन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जायगा जिससे विद्यार्थी इन क्षेत्रों में रोजगार हासिल कर सकें | इसके तहत रेडियो टेलीविजन के साथ सिनेमा की पटकथा लेखन को समझ सकेंगे |

UNIT- 5 इस इकाई में हिन्दी की रचनात्मकता के वैकल्पिक एवं लोकप्रिय माध्यमों में विज्ञापन एवं जिंगल्स लेखन का अध्ययन विश्लेषण किया जाएगा, जिससे विज्ञापन उद्योग के आधुनिक क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने लिए तैयार हो सकेंगे |

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**V**	**HIN-SE-511**	**विज्ञापन और हिंदी**	**MID - 40 End Sem-60**	**02**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञापन के अर्थ ,स्वरुप और महत्व से परिचित करवाते हुए उन्हें विज्ञापन लेखन की प्रक्रिया से परिचित करवाना है। इस पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ब्रांड निर्माण में विज्ञापन की भूमिका और विज्ञापन के प्रभावों से परिचित होने के साथ - साथ उनमें आधुनिक विज्ञापन और हिंदी भाषा के अंत: सम्बंधों की समझ भी विकसित होगी।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस इकाई में विद्यार्थी विज्ञापन के अर्थ, परिभाषा और उसके विभिन्न प्रकारो से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 2 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी विज्ञापन के सामाजिक और व्यवसायिक महत्व को समझते हुए, उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

इकाई -3 इस इकाई में विद्यार्थी प्रायोजित कार्यक्रमों के रूप में विज्ञापनों के नये संदर्भों को समझने सकेंगे।

इकाई - 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी संचार के विविध माध्यमों जैसे अखबार, रेडियो, टेलिविजन, मोबाइलआदि के अनुसार तैयार किये जानें वाले विज्ञापनों के स्वरूप और प्रकार को समझ सकेंगे।

इकाई - 5 इस इकाई के तहत विद्यार्थी विज्ञापन लेखन की भाषा, शैली और संरचना से परिचित होंगे, और विज्ञापन की सफलता में विज्ञाओअन लेखन की महत्वपूर्ण भूमिका को भी जान सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**V**	**HIN-EC-511**	**सृजनात्मक लेखन सिद्धांत और व्यवहार**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives - इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनाशीलाता को विकसित करना है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन से अर्थ, स्वरूप और उद्देश्य से परिचित होंगे साथ ही लेखन की पूरी प्रक्रिया को भी समझ सकेंगे। जिससे उनमें विधागत लेखन की समझ और क्षमता विकसित होगी, साथ ही यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों आम बोलचाल की भाषा,शास्त्र की भाषा तथा साहित्य की भाषा के मध्य अंतर की समझ को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी -

इकाई - 1 विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन के अर्थ और स्वरुप से परिचित होकर इसके महत्व हो समझ सकेंगे, साथ उनमें सृजनात्मक लेखन के प्रमुख तत्वों और व्यापक उद्देश्य की समझ भी विकसित होगी।

इकाई - 2 विद्यार्थी गद्य और पद्य के रूप में उपल्बध सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं से परिचित हो सकेंगे। साथ ही उनमें साहित्य के समाजोन्मुख उद्देश्यों और रचनात्मक वैविध्य की समझ भी विकसित होगी।

इकाई -3 प्रस्तुत इकाई में विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन में भाषा की महती भूमिका से परिचित हो सकेंगे। उनमें काव्य भाषा, कथा भाषा और नाट्य भाषा के प्रति शाब्दिक और तकनीकी समझ विकसित करने में यह इकाई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इकाई - 4 इस इकाई में विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन में प्रतिभा, अध्ययन और अभ्यास के महत्व को समझते हुए रचना प्रक्रिया की सूक्ष्मताओं को समझ सकेंगे, जिससे उनके लेखन कौशल में निश्चित ही निखार आयेगा।

इकाई- 5 इस इकाई में विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन के विभिन्न रुपों और उनसे सम्बंधित माध्यमों से परिचित हो पायेंगे, उनमें पत्र- पत्रिकाओं के लिये लेखन के साथ ही संचार के अन्य माध्यमों जैसे रेडियों और टेलिविजन लेखन की समझ विकसित होगी। यह इकाई उन्हें व्यक्तिगत लेखन और व्यवसायिक लेखन (विज्ञापन, जिंगल, स्लोगन आदि) की प्रक्रिया, महत्व और उद्देश्य समझने में सहायक होगी।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिंदी**	**V**	**HIN-GE-511**	**हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा के स्वरुप, विशेषताओं और महत्व से परिचित करवाना है । विद्यार्थी भाषा और व्याकरण के अन्त: सम्बंध को समझकर अपनी भाषा को परिमार्जित कर सकने में सक्षम होंगे साथ ही विद्यार्थी शब्दों के विभिन्न भेदों और व्याकरणिक व्यवहार से परिचित होते हुए शब्द निर्माण और वाक्य निर्माण की प्रक्रिया को भी समझ सकेंगे।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई -1 प्रमुख भाषाविदों द्वारा दी गयी भाषा और व्याकरण की परिभाषाओं के जरिये भाषा और व्याकरण के स्वरुप और महत्व को समझने का प्रयास किया जायेगा, साथ ही दोनों के अंत: सम्बंध और विशेषताओं को भी इस इकाई में समझाया जायेगा।

इकाई -2 इस इकाई में हिंदी शब्दों के विभिन्न भेदों को समझाते हुए हिंदी भाषा के अन्तर्गत सहजता से प्रयोग होने वाले शब्दों के तत्सम ,तदभव , देशज और विदेशी रुपों से परिचित हो सकेंगे। साथ ही उपसर्ग और प्रत्यय तथा शब्द और पद के अन्तर को समझते हुए व्याकरणिक अशुद्धियों को भी जान सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई के अन्तर्गत विद्यार्थी संज्ञा,सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, वचन, कारक आदि को समझते हुए उनके भाषागत प्रयोग और महत्व को जान - समझ सकेंगे।

इकाई - 4 इस इकाई में विद्यार्थी संधि, समास, मुहावरों और लोकोक्तियों के माध्यम से शब्द निर्माण की रचनात्मक प्रक्रिया को जान सकेंगे।

इकाई - 5 शब्द निर्माण और प्रयोग की प्रक्रिया से अब तक सुपरिचित विद्यार्थी हो चुके विद्यार्थी इस इकाई के अंतर्गत वाक्य निर्माण की प्रक्रिया को समझेंगे। विराम चिह्न के प्रयोग, अशुद्धियों से बचाव आदि को जानते हुए विद्यार्थी वाक्य के अंग,उद्देश्य और विधेय को समझते हुए वाक्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिंदी**	**V**	**HIN-EC-512**	**पत्रकारिता लेखन : सिध्दांत और व्यवहार**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पत्रकारिता लेखन के सामान्य परिचय के साथ पत्रकारिता लेखन का अर्थ स्वरुप और महत्त्व को विश्लेषित किया जायेगा पत्रकारिता लेखन की वारिकियों जैसे सम्पादकीय, रिपोर्टिंग, कॉलम लेखन और साहित्य खेल और संस्कृति लेखन के पहलुओं का अध्ययन प्रमुख होगा | समाचार पत्र पत्रिका की डमी, लेआउट,एवं शीर्षक लेखन का अध्ययन किया जायेगा | आधुनिक पत्रिकारिता में साहित्यिक लेखन , प्रचार सामग्री लेखन, फिल्म समीक्षा के साथ महिला एवं बाल साहित्य का व्यवहारिक लेखन किया जायगा | पत्रिकारिता के आधुनिक स्वरुप के अंतर्गात विद्यार्थियों को साहित्यिक , राजनैतिक , आंचलिक , आर्थिक पत्रिकारिता के साथ खेल पत्रकारिता के साथ खेल पत्रिकारिता का अध्ययन किया जायेगा | मीडिया इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में आधुनिक प्रिंट मीडिया के साथ प्रकाशन उद्योग में रोजगार पाना आसान होगा |

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1 इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के अर्थ स्वरुप एवं महत्त्व के साथ पत्रकारिता के उद्देश्य से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे |

UNIT-2 इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के व्यवहार और क्षेत्र के अंतर्गत एक समाचार पत्र के निर्माण की प्रक्रिया के तहत सम्पादकीय, रिपोर्टिंग, कॉलम लेखन, डमी, लेआउट, शीर्षक लेखन आदि का व्यावहारिक अध्ययन कर सकेंगे |

UNIT-3 पत्रकारिता लेखन के रचनात्मक पहलु के अंतर्गत इस इकाई में पत्रकारिता लेखन की भाषा और उसके वैचारिक पक्ष को स्पष्ट करते हुए विभिन्न प्रकार के समसामयिक लेखन जैसे प्रचार सामग्री लेखन महिला लेखन फिल्म समीक्षा बाल साहित्य आदि के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT- 4 पत्रकारिता लेखन की प्रक्रिया के तहत इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के आधार अनुकूल परिस्तिथियाँ, विषय का ज्ञान, विषय वस्तु का चयन और प्रूफ रीडिंग का व्यवहारिक अध्ययन को समझ सकेंगे |

UNIT- 5 इस इकाई में पत्रकारिता लेखन के विभिन्न रूपों जैसे साहित्यिक पत्रकारिता, राजनैतिक पत्रकारिता, आंचिलिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता के साथ आर्थिक मुद्दों से जुडी पत्रकारिता का अध्ययन विश्लेषण समझ सकेंगे |

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**V**	**HIN-GE-512**	**हिंदी भाषा एवं लिपि का इतिहास**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives:- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी दौर में हिंदी भाषा के प्रयोग से दक्षता प्रदान करना है।इस के अंतर्गत विद्यार्थी को भाषा की परिभाषा, अवधाराणा और विशेषताओं से परिचित करवाते हुए उन्हें हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के विस्तृत इतिहास से अवगत करवाया जायेगा। साथ ही हिंदी की विभिन्न बोलियों का परिचय देकर भाषा और बोली का अंतर जानते हुए विद्यार्थी राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा आदि को जान सकेंगे, उनका समुचित प्रयोग करना सीख सकेंगे।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई -1 इस इकाई में विद्यार्थी भाषा की परिभाषा, स्वरूप और विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। हिंदी भाषा के उद्भव और विकस के संक्षिप्त इतिहास को जानकर विद्यार्थी हिंदी भाषा के मानक स्वरूप को भी समझने में सफल होंगे।

इकाई - 2 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी हिंदी ही सभी 18 बोलियों और उनके 5 भाषा वर्गो को समझ सकेंगे। साथ ही उनमें भाषा और बोली के बीच व्याप्त अन्तर की समझ विकसित होगी।

इकाई - 3 इस इकाई के अन्तर्गत विद्यार्थी संचार भाषा, सम्पर्क भाषा राजभाषा, राष्ट्रभाषा के स्वरूप को जानकर भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति से भी परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी भारतीय भाषाओं के लिये प्रयोग की जाने वाली विविध लिपियों से परिचित होकर भाषा और लिपि के अंत: सम्बंध और महत्व हो जान सकेंगे।

इकाई- 5 इस इकाई के अंर्तगत विद्यार्थी वर्तमान तकनीकी दौर में हिंदी भाषा के वैश्विक स्वरूप और स्थिति से परिचित होकर सूचना प्रौद्योगिकी स्तर पर हिंदी के प्रयोग के जान सकेंगे। साथ ही विदेशों में हिंदी शिक्षण की स्थिति और प्रवासी हिंदी साहित्य के वर्तमान स्वरूप को समझने में यह इकाई महत्वपूर्ण साबित होगी ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**VI**	**HIN-SE-611**	**साहित्य और सिनेमा**	**MID - 40 End Sem-60**	**02**

Course Objectives: - इस कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी सिनेमा के गौरवशाली इतिहास से परिचित करवाना है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी हिंदी सिनेमा और साहित्य के अंतरसम्बन्धों को समझते हुए साहित्य पर केंद्रित सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्मों का साहित्यिक और सिनेमाई दृष्टि से अध्ययन करेंगे। जिससे उनमें साहित्य और सिनेमा के व्यापक सामाजिक उद्देश्यों की समझ विकसित होगी।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई-1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी विश्व सिनेमा के उदय की पृष्ठभूमि को समझते हुए साहित्य और सिनेमा की सामाजिक भूमिका पर विचार कर सकेंगे।

इकाई -2 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी उमराव जान, चित्रलेखा, देवदास और शतरंज के खिलाडी जैसी (साहित्य केंद्रित) महत्वपूर्ण फिल्मों का साहित्यिक दृष्टि से मूल्यांकन करेंगे।

इकाई -3 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के संक्षिप्त इतिहास से परिचित होंगे, और जानेंगे कि कैसे हर दौर का सिनेमा अपने समकालीन समाज से प्रभावित होता है।

इकाई - 4 इस इकाई के तहत विद्यार्थी साहित्य और सिनेमा के अंतरसम्बंधों पर विचार करेंगे, उनमें साहित्यिक रचना के सिनेमाई रुपांतरण के तकनीकी पहलुओं की समझ विकसित होगी।

इकाई - 5 इस अंतिम इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी मदर इंडिया, तारे जमीं पर और हिंदी मीडियम जैसी सफल फिल्मों का समीक्षात्मक दृष्टि से अध्ययन करेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**VI**	**HIN-EC-611**	**सृजनात्मक हिंदी विधाएं**	**MID - 40** **End Sem-60**	**06**

Course Objectives - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की सृजनशीलता का विकास करना है। पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी ही विविध सृजनात्मक विधाओं के स्वरुप से तो परिचित होंगें ही साथ ही उनकी भाषा, भाव,कल्पनाशक्ति और विचार भी समृद्ध होंगे।
Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी -

इकाई - 1 महादेवी वर्मा,अज्ञेय और नरेश सक्सेना जी की कविताएं विद्यार्थियों को संवेदनात्मक स्तर पर विस्तार देंगी तोऔर साथ ही उन्हें छायावाद, प्रयोगवादी और नई कविता के भाव पक्ष और शिल्प पक्ष से भी परिचित करवायेंगी, पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की रचनाधर्मिता को निखारने में सहायक साबित होगा।

इकाई -2 प्रेमचंद , जैनेंद्र और उदय प्रकाश कृत कहानियों के माध्यम से विद्यार्थी यथार्थवादी साहित्य के कथ्य और शिल्प को समझते हुए मनोवैज्ञानिक कहानी और नयी कहानी के शिल्प विधान और उनमें व्यक्त संवेदनात्मक बोध से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -3 विनोद कुमार शुक्ल कृत उपन्यास 'दीवार में एक खिडकी रहती थी' के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक जीवन शैली के प्रभाव स्वरुप मध्यमवर्गीय जीवन उपजी विसंगतियों और विप्रूदाओं पर पर तर्कपूर्ण चिंतन कर सकेंगे साथ ही नये , इसके साथ ही उत्तर आधुनिकता सन्दर्भ में भाषा-शैली के नये सर्जनात्मक रूपों के प्रति भी समझ विकसित होगी।

इकाई - 4 धर्मवीर भारती कृत 'अंधायुग' के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी साहित्य में गीति नाट्य के स्वरूप विधान से परिचित हो सकेंगे , साथ ही पौराणिक कथाओं का नवीन संदर्भों में सूत्रपात किस प्रकार किया जाए यह भी सीख - समझ सकेंगे।

इकाई - 5 रामकुमार वर्मा कृत 'औरंगजेब की आखिरी रात' के माध्यम से विद्यार्थी एकांकी के तत्वों से परिचित हो सकेंगे साथ ही इतिहास को मनोवैज्ञानिक दृष्टि से समझने में भी यह एकांकी सहायक सिद्ध होगी।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**VI**	**HIN-GE-611**	**अस्मिता मूलक अध्ययन हिन्दी साहित्य**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives :
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को दलित , स्त्री और आदिवासियों के इतिहास ,जीवन ,समाज और उनकी चेतना से परिचित कराना है । साथ ही विद्यार्थियों के अंदर यह तार्किक समझ भी विकसित करना है कि वे भारत की सामाजिक संरचना के ढाँचे से परिचित होकर हाशिये पर ढकेल दिए इन समाजों (दलित , स्त्री ,आदिवासी)की वास्तविकताओं को जानकर उनकी उन्नति के लिए प्रयास कर सकेंगे ।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर विद्यार्थी -

Unit 1: दलित विमर्श की अवधारणा और उसके इतिहास से परिचित हो सकेंगे तथा दलित विमर्श में महात्मा ज्योतिबा फुले और अंबेडकर के योगदान को जान सकेंगे ।

Unit 2 : स्त्री विमर्श की अवधारणा एवं स्त्रियों की मुक्ति के आंदोलन के इतिहास को भारतीय और पाश्चात्य नजरिए से समझ सकेंगे ।

Unit 3 : आदिवासी विमर्श की अवधारणा और उसके इतिहास से परिचित हो सकेंगे तथा जल , जंगल , जमीन के लिए उनके द्वारा किए जा रहे संघर्ष को महसूस कर सकेंगे । आज के समय में उनकी पहचान पर जो संकट मँडरा रहा है , उससे भी रूबरू हो सकेंगे ।

Unit 4 : भारत में लिखे जा रहे विमर्शमूलक कथा साहित्य के अध्ययन के क्रम में कैलाश वानखेड़े कृत सत्यापन , सुशीला टकभोरे कृत सिलिया और नासिरा शर्मा कृत खुदा की वापसी इत्यादि साहित्य का अध्ययन कर विमर्श की समझ विकसित कर सकेंगे ।

Unit 5 : आज के समय में लिखी जा रही विमर्श-मूलक कविताओं के अध्ययन के क्रम में ओमप्रकाश बाल्मीकि कृत ठाकुर का कुआं , असंगघोष कृत 'मैं दूँगा माकूल जवाब' , कात्यायनी कृत ' सात भाइयों के बीच चम्पा' और अनामिका कृत स्त्रियाँ इत्यादि कविताओं से अध्ययन से अस्तित्व, अस्मत और अस्मिता के सवाल को समझ सकेंगे ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिंदी**	**VI**	**HIN-GE-612**	**लोक साहित्य और संस्कृति**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की प्रमुख सहायक लोक भाषाओं के साहित्य और लोक जीवन में रची-बसी लोक संस्कृतियों से परिचय कराया जायगा | इस अध्ययन में हिन्दी की विभिन्न जनपदीय बोलियों जैसे बुन्देली, राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भौजपुरी, कन्नौजी के भाषाओं के लोक जीवन में ध्वनित लोकसाहित्य और लोक संस्कृति का अध्ययन किया जायगा | लोकगीत, लोकनृत्य, लोककथा, लोकगाथा और लोक-नाट्य जैसी प्राचीन लोक कलाओं के अध्ययन के साथ विभिन्न लोक संस्कृतियों के लोक वाद्यों से भी परिचय किया जायगा | इस अध्ययन से विद्यार्थियों में भारतीय लोक संस्कृतियों की गहरी समझ विकसित होने के साथ-साथ भारतीय ग्रामीण क्षेत्र में बसनेवाले लोक जीवन की कठिनाइयों को समझने का मार्ग प्रशस्त होगा |

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT- 1 इस इकाई में लोक की परिभाषा, अर्थ, क्षेत्र आदि के साथ लोकजीवन और लोक संस्कृति तथा लोककलाओं से परिचित हो सकेंगे |

UNIT- 2 इस इकाई में हिन्दी की बिभिन्न जनपदीय बोलियों और उनमे निहित लोक साहित्य का अध्ययन कर सकेंगे |

UNIT-3 इस इकाई में लोक साहित्य की प्रमुख बिधाओं जेसे लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा व लोकनाट्य के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT-4 इस इकाई में लोकसाहित्य के अपने लोकजीवन से निकले मुहावरे, लोकोक्ति और बतकही, गारी व अन्य लोकजीवन से प्रसूत हुए लोक साहित्य को समझ सकेंगे |

UNIT-5 इस इकाई में लोक संस्कृति के विभिन्न उपादानों जैसे लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य और लोक की वेशभूषा के विस्तृत अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**VI**	**HIN-GE-613**	**हिन्दी भाषा और जनसंचार माध्यम**	**MID - 40** **End Sem-60**	**02**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी भाषा और उसके आधुनिक जनसंचार माध्यमों में लेखन के साथ उनके प्रभाव क्षेत्र का अध्ययन विश्लेषण किया जायेगा | भारत में आधुनिक जनसंचार माध्यमों का विकास और उनकी उपयोगिता तथा महत्त्व का अध्ययन विश्लेषण समीचीन होगा | समाज में जनसंचार माध्यमों की सामाजिक , सांस्कृतिक एवं राजनैतिक भूमिका का अध्ययन किया जायेगा | यहाँ इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के विभिन्न उपादानो के साथ परंपरागत जनसंचार माध्यमों को भी अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया गया है | प्रकाशन उद्योग के साथ रेडियो , टेलीविज़न, सिनेमा और एक बड़े उद्योग के रूप मै विकसित हो चुके विज्ञापन उद्योग में विद्यार्थियों को उनके जीवन क लिए एक सम्मानजनक रोजगार प्रदान किया जाना इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है |

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

इकाई - 1 इस इकाई के अंतर्गत जनसंचार का तात्पर्य, स्वरूप और विस्तार के साथ विभिन्न जनसंचार माध्यमों का प्रारम्भिक परिचय तथा इन आधुनिक जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन और इनके प्रभाव क्षेत्र का अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

इकाई - 2 इस इकाई में जनसंचार माध्यमों के विकास के साथ उनकी उपयोगिता और महत्त्व का अध्ययन किया जायगा | जनसंचार माध्यमों का वर्ग-चरित्र और सम्प्रेषण के साथ इन आधुनिक जनसंचार माध्यमों की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक भूमिका को समझ सकेंगे |

इकाई - 3 इस इकाई में समाचार लेखन, फीचर लेखन, समाचार शीर्षक के साथ समाचार पत्र की पेज मेकिंग का अध्ययन किया जाएगा | समाचार पत्र के सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन आदि के अध्ययन के साथ रेडियो, टेलीविजन, फिल्म लेखन आदि के साथ विज्ञापन लेखन और निर्माण आदि से परिचित हो सकेंगे |

इकाई - 4 इस इकाई में जनसंचार के वैकल्पिक और परंपरागत माध्यमों का अधयन्न किया जायेगा जैसे पोस्टर निर्माण, कोलाज , कार्टून , होर्डिंग, और संगीत नुक्कड़ नाटक प्रहसन आदि का व्यवहारिक अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

इकाई - 5 इस इकाई में जनसंचार के अत्याधुनिक माध्यामों जैसे सोशल साइट्स आर्कुट, ट्विटर, फेसबुक, ब्लॉग आदि के समसामयिक उपयोग और महत्त्व का अध्ययन किया जायेगा साथ ही कंप्यूटर औए इन्टरनेट की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे |

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of B.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of B.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
B.A.	**हिन्दी**	**VI**	**HIN-GE-613**	**प्रयोजन मूलक हिंदी**	**MID - 40 End Sem-60**	**06**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात कामकाजी हिंदी के स्वरुप, महत्व और विशेषताओं से परिचित करवाना है, ताकि विद्यार्थी सरकारी कार्यालयों में प्रयोग होने वाली शब्दावली और भाषिक प्रयोग से परिचित हो सकेंगे। पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भाषिक तौर पर व्यावसायिक दक्षता प्रदान कर सकेगा, जो भविष्य में उनके लिये रोजगापरक साबित होगा।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई- 1 इस प्रथम इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के अर्थ और सिद्धांतों को समझकर उसके स्वरूप और विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

इकाई 2- इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी राजभाषा,राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा और सम्पर्क भाषा के स्वरुप और पारस्परिक अन्तर को जानकर उनके उपयोग से परिचित हो सकेंगे, साथ भारतीय भाषाओं की संवैधानिक स्थिति का भी अध्ययन करेंगे।

इकाई- 3 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की उत्पत्ति और विकास का संक्षिप्त परिचय प्राप्त करते हुए हिंदी भाषा की विशेषताओं को जान सकेंगे।

इकाई- 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी सरकारी कार्यालयों में प्रयोग होनें वाले पत्र व्यवहार, सूचना, आदेश, ज्ञापन, प्रतिवेदन, आदि के स्वरुप से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 5 इस अंतिम इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी सरकारी कार्यालयों में प्रयोग होने वाली हिंदी भाषा के स्वरूप को जान कर उसका उपयुक्त प्रयोग करना सीख सकेंगे।

एम.ए. पाठ्यक्रम

(LOCF)

(वर्ष 2021–22)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-CC-121**	**हिन्दी उपन्यास**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एम.ए. के विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास की विकासमान परम्परा से परिचित कराना है तथा उनके अन्दर यह भावबोध पैदा कराना है कि वे हिन्दी उपन्यासों के अध्ययन से देश, काल, वातावरण और समाज को समझ सकें तथा एक बेहतर मनुष्य बन सकें |

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न करने पर विद्यार्थी -

UNIT-1 हिन्दी उपन्यासों के उद्भव और विकास समझ सकेंगे तथा देश एवं दुनिया में आ रहे तमाम बदलावों को भी महसूस कर सकेंगे ||

UNIT-2 उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास 'गोदान' के अध्ययन से भारतीय किसान जीवन की त्रासदी को जान सकेंगे तथा मनुष्य जीवन की विविध जटिलताओं को भी जान सकेंगे |

UNIT-3 अज्ञेय के उन्यास 'शेखर : एक जीवनी' के अध्ययन से अस्तित्ववाद की अवधारणा को समझ सकेंगे और मनुष्य के आत्ममूल्यांकन से साक्षात्कार कर सकेंगे |

UNIT-4 रेणु के उपन्यास 'मैला आँचल' के अध्ययन से आंचलिक उपन्यासों की परम्परा में मैला आँचल के महत्व को जान सकेंगे|

UNIT-5 अलका सरावगी के उपन्यास 'कलिकथा वाया बाईपास' के अध्ययन से शहरीकरण, बाजारवाद और पूंजीवाद की संस्कृति के मनुष्य जीवन पर हो रहे प्रभाव को समझ सकेंगे तथा अपने आप को एक बेहतर मनुष्य बना सकेंगे|

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-CC-122**	**हिंदी कहानी**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives:- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एम.ए.हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों को हिंदी की कालजयी कहानियों के समीक्षात्मक अध्ययन के माध्यम से हिंदी कहानी के इतिहास, उनकी सामाजिक भूमिका और प्रभाव से परिचित करवाना है। प्रत्येक कालखंड की चुनिंदा महत्वपूर्ण कहानियों के रूप में विद्यार्थी साहित्य और समाज के पारस्परिक सम्बंधों से परिचित हो सकेंगे साथ ही ये कहानियां उनमें नैतिक और सामाजिक मूल्यों का संवर्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई-1 - इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी दुलाईवाली, इंदुमति और उसने कहा था जैसी हिंदी साहित्य की तीन कालजयी कहानियों का अध्ययन करेंगे, तीनों ही कहानियां अलग भाव - बोधों पर आधारित हैं, जो विद्यार्थीयों में विचारशीलता का विकास करेंगी।

इकाई- 2 इस इकाई के तहत विद्यार्थी प्रेमचंद,जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र कुमार और अमरकांत कृत कहानियों कफन, गुंडा, तत्सत और डिप्टीकलकटरी का व्याख्यात्मक दृष्टि से अध्ययन करेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी शैलेश मटियानी कृत प्रेतमुक्ति,निर्मल वर्मा कृर परिंदे तथा कमलेश्वर कृत राजा निरबंसिया का समीक्षात्मक दृष्टि से अध्ययन करेंगे।

इकाई - 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी हरिशंकर परसाई कृत इंस्पेकटर मातादीन चांद पर, शेखर जोशी कृत बदबू तथा ज्ञानरंजन कृत पिता कहानियों का अध्ययन करेंगे जो उनमें समाजिक और मानवीय चेतना के नये आयाम विकसित करने में सक्षम साबित होंगी।

इकाई- 5 इस अंतिम इकाई में विद्यार्थी काशिनाथ सिंह कृत अपना रास्ता लो बाबा, उदय प्रकाश कृत तिरिछ तथा मोहनदास नैमिषराय कृर दर्द कहानियों के माध्यम से नयी कहानी भावबोध से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-CC-123**	**अन्य गद्य - रूप**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives: - प्रस्तुत पाठयक्रम के अंन्तर्गत स्नात्कोत्तर विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य की अन्य गद्य विधाओं में निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत एवं रेखाचित्र का अध्ययन कर के हिंदी गद्य विधा लेखन में प्रवीणता विकसित होगी तथा हिंदी साहित्य गद्य विधा में पठन - पाठन की क्षमता भी विकसित होगी।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई -1 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र तथा अन्य निबन्धकारों के निबंधों का अध्ययन करके निबंध लेखन और निब्रध विषय वस्तु को समझ सकेंगे।

इकाई - 2 प्रस्तुत इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी स्त्री विमर्श की प्रमुख हस्ताक्षर प्रभा खेतान तथा दलित साहित्य वरिष्ठ लेखक ओम प्रकाश वाल्मिकि की आत्मकथाओं को पढकर स्त्री समाज और दलित समाज की समस्याओं से रुबरु होकर समतामूलक समाज का निर्माण करने में सफल होंगे और उनमें स्वानुभूति के साहित्य के प्रति समझ विकसित होगी।

इकाई -3 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी अमृतराय द्वारा लिखित जीवनी "कलम का सिपाही" के माध्यम से कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के जीवन संघर्षों और लेखन संघर्ष से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -4 इस इकाई के अंतर्गत महादेवी वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, कांतिकुमार जैन, यतींद्र मिश्र के संस्मरण एवं रिपोर्ताज को पढकर सामाजिक यथार्थ से रुबरु होंगे तथा उनमें संस्मरण और रिपोर्ताज लेखन की क्षमता विकसित होगी।

इकाई- 5 प्रस्तुत इकाई के राहुल सांकृत्यायन, काशीनाथ सिंह, निर्मल वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी आदि लेखकों के यात्रा वृतांत और रेखाचित्रों का अध्ययन करेंगे। इस साहित्य का अध्ययन करके यात्रा वृतांत और रेखाचित्र लेखक प्रवृत्ति को समझ सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-EC-121**	**भारतीय गद्य साहित्य**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठयक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों में अन्य भारतीय भाषा से अनुदित नाटक और उपन्यासों का अध्ययन करके उस क्षेत्र के समाज, संस्कृति और साहित्य के साथ - साथ विषय वस्तु की समझ विकसित होगी।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई -1 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी भारतीय साहित्य के स्वरूप और हिंदी साहित्य में निहित भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति को समझ सकेंगे।

इकाई - 2 प्रस्तुत इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना एवं समस्या से परिचित होंगे।

इकाई -3 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थियों में वीरेंद्र कुमार भट्टाचार्य के उपन्यास "मृत्यंजय" का अध्ययन करके सामाजिक परिदृश्य कि समझ विकसित होगी ।

इकाई -4 इस इकाई के अंतर्गत यू.आर. अनंतमूर्ति के उपन्यास संस्कार के माध्यम से समाज में व्याप्त बाह्य आडम्बर कुरीतियों और धर्म की आड में हो रहे विभिन्न प्रकार के विभेद को समझ सकेंगे तथा मानव जीवन की वास्तविक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

इकाई- 5 प्रस्तुत इकाई के अंतर्गत विजय तेंदूलकर के नाटक "सखा राम बाइनडर" का अध्यन कर लेखन और मंचन की कला को समझ सकेंगे।

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A	**हिन्दी**	**I**	**HIN-EC- 122**	**लोक-भाषा, साहित्य और संस्कृति**	**MID - 40 End Sem- 60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. हिंदी के विद्यार्थी भारतीय लोक साहित्य के माध्यम से लोक संस्कृति,लोकभाषा और लोक जीवन के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।लोक पर्व, लोकगीत,लोकगाथा,लोकनाट्य के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में लोक समाज और लोक साहित्य के प्रति एक गहरी समझ विकसित होगी, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी भाषा, चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल पर पडेगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी भारतीय लोक साहित्य की विस्तृत परम्परा से परिचित हो सकेंगे, लोक के स्वरूप, लक्षण, परिभाषा को जानते हुए उनमें लोक के समाज की वैज्ञानिक समझ विकसित होगी।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी हिंदी भाषी क्षेत्रों में रचित लोक साहित्य का अध्ययन करेंगे, जिनमें हिंदी की जनपदीय बोलियों राजस्थानी,अवधी,बुंदेली,छत्तिसगढी, कौरवी, भोजपुरी आदि में रचित लोक साहित्य का अध्ययन शामिल होगा।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं लोकगीत, लोकगाथा,लोककथा, लोकनाट्य आदि का अध्ययन करते हुए लोकभाषा में प्रचलित मुहावरों, लोकोक्तियों,पहेलिओं आदि पर विचार करेंगे, जिससे उनमें सम्बन्धित क्षेत्र की लोक संस्कृति के प्रति एक गहरी समझ विकसित होगी।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी बुंदेली लोक साहित्य के सिद्धांत, स्वरूप, विभिन्न सम्प्रदायों और उनसे सम्बंधित विचारको का अध्ययन करेंगे, जिससे उनमें लोक साहित्य के वैश्विक स्वरूप की समझ विकसित होगी। बुंदेली के लोकोक्ति और मुहावरों तथा पहेलियों के लक्षण से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी लोक साहित्य के महत्व, निर्माण प्रक्रिया, उनमें व्यक्त आचार, विचार, आदर्शो की स्थापना का अध्ययन करते हुए समाज और राष्ट्र के निर्माण में लोकसाहित्य के महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे। साथ ही पश्चिम के लोक साहित्य के स्वरूप को समझ सकेंगे ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-EC-123**	**प्रेमचंद**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - प्रस्तुत पाठयक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी मुंशी प्रेमचंद के कथा साहित्य का अध्ययन करते हुए उनके उपन्यास ,काहानी,जीवनी, निब्रध आदि के माध्यम से समाज के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे और आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी साहित्य लेखन की प्रवृत्ति विकसित होगी ।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई -1: इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी प्रेमचंद के उपन्यास निर्मला का अध्ययन कर समाज में व्याप्त अनवरत समस्या जैसे अनमेल विवाह, दहेज प्रथा, विधवा विवाह, शक की समस्याओं से परिचित होंगे।

इकाई – 2: प्रस्तुत इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी प्रेमचंद की कहानी पंच परमेशश्वर, सवा सेर गेंहू, शतरंज के खिलाडी, सदगति, कफन का अधययन करके दलित समाज, स्त्री समाज और सामाजिक बाह्य आडम्बरों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -3: इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी अमृतराय द्वारा लिखित जीवनी "कलम का सिपाही" के माध्यम से कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद के जीवन संघर्षों और लेखन संघर्ष से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -4: इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी प्रेमचंद के निबंध साहित्य के मूल्य और जीवन में साहित्य का उद्देश्य और साहित्य की समस्या से परिचित होंगे।

इकाई- 5: प्रस्तुत इकाई के द्वारा विद्यार्थी प्रेमचंद द्वारा लिखित चिठी - पत्री का अध्ययन करके साहित्य के महत्व को समझेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	हिन्दी	II	HIN-CC-221	आलोचना सिद्धांत और शास्त्र	MID - 40 End Sem-60	05

Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर भारतीय काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना की परम्परा और आलोचना की विभिन्न दृष्टियों एवं धाराओं के सम्बन्ध में एक व्यस्थित और तार्किक समझ विकसित करना है, जिसके माध्यम से पाठक में काव्यशास्त्रीय सिद्धांत से परिचित होने के साथ ही काव्य के विविध पहलुओं को समझ सकेंग़े और स्वयं का साहित्यिक बोध का निर्माण कर सकेंगे।

Course Learning Outcomes:इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: भारतीय काव्य शास्त्र में काव्य के स्वरूप, काव्यलक्षण , काव्यहेतु , प्रयोजन और काव्यगुण की आलोचना-दृष्टि को व्यवस्थित ढंग से समझ सकेंगे तथा काव्यशास्त्री हिन्दी आलोचना के निर्माण की पृष्ठभूमि एवं पूर्वपीठिका से परिचित हो सकेंगे।

Unit 2 : रस , रसनिष्पति, काव्यास्वाद, साधारणीकरण से परिचित होने के साथ संस्कृत और हिंदी काव्य की गतिमान परम्परा एवं दिशाओं के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त करेंगे.

Unit3: अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ती, औचित्य सिद्धातों की आलोचना दृष्टियों के बारे में जानेंगे तथा यह समझ विकसित कर पाएंगे कि क्या ये सिद्धांत काव्य की आत्मा है या काव्य के बाह्य रूप (भाषिकपक्ष)।

Unit 4: पाश्चात्य काव्य शास्त्रियों के काव्य तथा काव्यभाषा संबंधी विचार को समझ सकेंगे। अरस्तू , लोंजाइनस, वर्डस्वर्थ , कॉलरिज, इलियट, रिचर्डस, जार्जलूकाच , अंतोनियो ग्राम्श्री जैसे प्रमुख जैसे काव्य शास्त्रियों की आलोचना– दृष्टिसे परिचित हो सकेंगे और यह भी जान पायेंगे कि रचनाकारों के आलोचना-बोध के निर्माण में कौन से कारक-तत्व कार्य करते हैं।

Unit5:शास्त्रीयतावाद, स्वचछंदतावाद, अभिव्यंजनवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद तथा विखंडनवाद के सिद्धांतों को समझ सकेंगे और आलोचना–दृष्टि में निहित तत्वों को पहचान सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**II**	**HIN-CC-222**	**हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास**	**MID - 40** **End Sem-60**	**05**

Course objectives :
इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास का भारत के सामाजिक इतिहास से सम्बन्ध तथा स्मृति और इतिहास के साथ भारतीय और पाश्चात्य साहित्य इतिहास दृष्टी का अध्ययन किया जायगा | साहित्य इतिहास लेखन में साम्रगी के चयन, आरम्भिक इतिहास लेखन पद्धतियाँ, इतिहास लेखन की विभिन्न दृष्टियों के अध्ययन के साथ हिन्दी भाषा के विकास का अध्ययन किया जायगा | इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की क्षमता का प्रामाणिक विकास होगा | और विद्यार्थियों में साहित्य के इतिहास के माध्यम से भारत के सामाजिक सांस्कृतिक विकास के अध्ययन की समझ का निर्माण होगा |

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT- 1 इस इकाई में साहित्य के इतिहास का सामाजिक इतिहास तथा भाषाई इतिहास से सम्बन्ध का अध्ययन किया जायगा | यहाँ विद्यार्थियों को साहित्य के इतिहास लेखन हेतु सामग्री के चयन, इतिहास लेखन की तकनीकी के साथ भारतीय और पाश्चात्य साहित्य इतिहास लेखन की दृष्टी से परिचित किया जायगा |

UNIT- 2 हिन्दी साहित्य के इतिहास की आरम्भिक पध्दतियों सहित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के हिन्दी साहित्य के इतिहास को समझ सकेंगे |

UNIT- 3 इस इकाई में शुक्लोत्तर हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा में आचार्य हजारी प्रसाद दिवेदी और डॉ. रामविलास शर्मा की इतिहास लेखन दृष्टी से परिचित हो सकेंगे |

UNIT- 4 इस इकाई तहत साहित्य के इतिहास लेखन की की विभिन्न दृष्टियों शास्त्रीय दृष्टी, स्व्वंद्तावादी दृष्टी, मानववादी दृष्टी, मार्क्सवादी दृष्टी और नई इतिहास्वादी दृष्टी को समझ सकेंगे |

UNIT- 5 इस इकाई में विद्यार्थियों को खड़ी बोली हिन्दी के पूर्व प्राकृत, अपभ्रंश के साथ मध्यकालीन हिन्दी की प्रतिनिधि भाषाओं के परिसर के अंतर्गत ब्रजभाषा,उर्दू और हिन्दुस्तानी भाषाओं के विकास का अध्ययन कर सकेंगे |

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**II**	**HIN-CC-223**	**हिन्दी की आलोचना दृष्टियाँ**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर हिंदी आलोचना की परम्परा और आलोचना की विभिन्न दृष्टियों एवं धाराओं के सम्बन्ध में एक व्यस्थित और तार्किक समझ विकसित करना है. जिसके माध्यम से वे साहित्य की मूल्यांकन प्रविधियों से परिचित होने के साथ ही साहित्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं जातीय निहितार्थों के सम्बन्ध में अपनी एक स्वस्थ साहित्यिक बोध का निर्माण कर सकेंगे.

Course Learning Outcomes:इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: शुक्ल पूर्व आलोचना जिसमें भारतेंदु,महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं मिश्र बन्धुओं की आलोचना-दृष्टि को व्यवस्थित ढंग से समझ सकेंगे तथा हिन्दी आलोचना के निर्माण की पृष्ठभूमि एवं पूर्वपीठिका से परिचित हो सकेंगे.

Unit 2 : मुख्य रूप से रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र एवं नलिन विलोचन शर्मा की आलोचना दृष्टि से परिचित होने के साथ-साथ हिन्दी आलोचना की गतिमान परम्परा एवं दिशाओं के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त करेंगे.

Unit 3: विशेष तौर पर हिन्दी की सौष्ठववादी और प्रगतिशील आलोचना जिसमें नंददुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र और नामवर सिंह आते हैं; की आलोचना दृष्टियों के बारे में जानेंगे.

Unit 4: हिन्दी के प्रमुख रचनाकारों जैसे प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पन्त, महादेवी वर्मा और रामधारी सिंह दिनकर की आलोचना – दृष्टिसे परिचित हो सकेंगे और यह भी जान पायेंगे कि रचनाकारोंके आलोचना-बोध के निर्माण में कौन से कारक-तत्व कार्य करते हैं.

Unit 5 : हिन्दी के कुछ अन्य रचनाकार आलोचकों जैसे अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही और निर्मल वर्मा की आलोचना–दृष्टि में निहित आधुनिक एवं प्रगतिशील तवों के पहचान के साथ ही हिंदी आलोचना और रचना के आत्म-संघर्ष से भीपरिचित हो सकेंगे.

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**II**	**HIN-EC-221**	**नंददुलारे वाजपेयी**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course objectives :

इस पाठ्यक्रम में हिन्दी आलोचना के शुक्लोत्तर युग के सबसे बड़े आलोचक आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की हिन्दी आलोचना के अध्ययन विश्लेषण के साथ आचार्य नंददुलारे वाजपेयी द्वारा निर्मित स्थापित आलोचना लेखन के मानदण्ड को भी उनकी उपयोगता की कसौटी पर परखा जायगा | समग्र रूप से आचार्य वाजपेयी की आलोचना दृष्टी के विस्तार को यहाँ विद्यार्थियों को समझने का अवसर मिलेगा | इस प्रश्न-पत्र के अध्ययन चिंतन से स्नातकोत्तर हिन्दी के विद्यार्थियों में आलोचना के साहित्यक विवेक का निर्माण होगा, जिससे विद्यार्थियों में एक जनतांत्रिक समाज और राष्ट्र के निर्माण की सोच विकसित होगी |

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1: इस इकाई में - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पुस्तक नया साहित्य नए प्रश्न में अभिव्यक्त उनकी समीक्षा- आलोचना दृष्टी के साथ-साथ छायावाद, नवीन यथार्थवाद, नवीन कथा साहित्य पर केन्द्रित उनके विचार, के साथ रस निष्पत्ति, आधुनिक साहित्य खंड -7, मत और सिध्दांत से परिचित हो सकेंगे |

UNIT -2: इस इकाई में नयी कविता की आलोचना, रीती और शैली के साथ हिन्दी के प्रथम आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल के जीवन और व्यक्तित्त्व के साथ वालकृष्ण शर्मा नवीन, शिवपूजन सहाय और नेहरू जी पर महत्त्वपूर्ण संस्मरणों के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT -3: इस इकाई में आचार्य नद्दुलारे वाजपेयी की प्रसिध्द आलोचना पुस्तक 'हिन्दी साहित्य बीसवीं सदी' में निहित उनकी आलोचना दृष्टी का अध्ययन कर सकेंगे |

UNIT -4: इस इकाई में हिन्दी के राष्ट्रिय साहित्य के स्वरूप के साथ नये उपन्यास, नये नाटक, नयी कविता आदि के साथ राष्ट्रिय रंगमच की आवश्यकता सम्बन्धी उनके विचारों के अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT -5: इस इकाई में आचार्य वाजपेयी की आलोचना दृष्टी में हिन्दी के मध्यकालीन साहित्य में सूरदास के अध्ययन के साथ आलोचक का स्वदेश तथा आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पर डॉ. विजयबहादुर सिंह द्वारा लिखी जीवनी के अध्ययन से को समझ सकेंगे

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**II**	**HIN-EC-222**	**रामचन्द्र शुक्ल**	**MID - 40 End Sem- 60**	**04**

Course Objectives :
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एम . ए . के विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना के उद्भट विद्वान आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से परिचित कराना है । इस पाठ्यक्रम को विद्यार्थी विशेष प्रश्नपत्र के रूप में पढ़ेंगे । इसके माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास को प्रारम्भिक में उन्नत स्वरूप देने वाले आलोचक , निबंधकार रामचन्द्र शुक्ल के साहित्य का अध्ययन कर साहित्य की एक समृद्ध परंपरा से परिचित हो सकेंगे ।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर विद्यार्थी -

Unit 1: हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन अवधारणा को समझकर उसके नामकरण और काल विभाजन की समस्या से परिचित हो सकेंगे ।

Unit 2 : आचार्य शुक्ल के सैद्धांतिक निबंधों के अंतर्गत रसमीमांसा , लोकमंगल की अवधारणा एवं साहित्य की साधनावस्था और सिधावस्था का अध्ययन कर सकेंगे तथा कविता कि संरचना में अंतर्निहित तत्वों को जान सकेंगे ।

Unit 3 : आचार्य शुक्ल के सूत्रात्मक शैली में लिखे गए निबंधों में उत्साह , कविता क्या है , श्रद्धा और भक्ति एवं करुणा शीर्षक निबंधों का अध्ययन कर सकेंगे तथा जीवन और साहित्य के निर्माण कि आवश्यक मनोभूमि को समझ सकेंगे ।

Unit 4 : आचार्य शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना के अंतर्गत जायसी , सूरदास और तुलसी पर उनके द्वारा व्यक्त विचार से परिचित हो सकेंगे तथा यह भी जान सकेंगे कि इनका महत्व क्या है ।

Unit 5 : आचार्य शुक्ल द्वारा धनानन्द एवं भारतेन्दु हरिश्चंद्र के विषय में लिखे विचारों से परिचित हो सकेंगे तथा इनका महत्व प्रतिपादन भी कर सकेंगे ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी (ऐच्छिक)**	**II**	**HIN-EC-223**	**हजारी प्रसाद द्विवेदी**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य का अध्ययन करेंगे, जिसके तहत उनके द्वारा लिखित हिंदी साहित्य का आदिकाल का पाठ करेंगे साथ ही उनके निबंधकला,उपन्यास शैली, उनके आलोचनात्मक दृष्टिकोण को समझते हुए उनके सांस्कृतिक बोध का मूल्यांकन करेंगे। इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के सम्पूर्ण सृजनात्मक कर्म के प्रति एक स्पष्ट समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: इस इकाई में विद्यार्थी आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित गहन - गम्भीर 'हिंदी साहित्य का आदिकाल' का अध्ययन करते हुए हिंदी साहित्य के इतिहास को नवीन तथा महत्वपूर्ण तथ्यों के आलोक में समझने का प्रयास करेंगे, साथ ही उनमें द्विवेदी जी की इतिहास दृष्टि के प्रति भी एक समझ विकसित होगी।

Unit 2 : इस इकाई में विद्यार्थी आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित आलोचनातमक ग्रंथ 'कबीर' का अध्ययन करेंगे, जिसके माध्यम से वे संत कबीर के व्यक्तित्त्व, उनके साहित्य, उनके सामाजिक मूल्य और दार्शनिक विचारों पर चिन्तन कर सकेंगे।

Unit3: इस इकाई के तहत विद्यार्थी हजारी प्रसाद द्विवेदी के ऐतिहासिक उपन्यास 'बाणभट्ट की आत्मकथा का अध्ययन करेंगे, जिसके माध्यम से उनमें हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की उपन्यास शैली के साथ - साथ उनके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक बोध तथा स्त्री जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण की समझ विकसित होगी।

Unit 4: इस इकाई में विद्यार्थी आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित निबंध 'अशोक के फूल' का अध्ययन करेंगे जिसके माध्यम से वे आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली को जान - समझ सकेंगे साथ ही द्विवेदी जी के गहन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक अध्ययन को भी जान सकेंगे।

Unit5: इस अंतिम इकाई में विद्यार्थी अभी द्विवेदी जी के तमाम साहित्यिक कर्म से गुजरते हुए उनकी सांस्कृतिक दृष्टि को स्पष्ट रूप से समझने का प्रयास करेंगे, उनके उपन्यास,निबन्ध, आलोचना और इतिहास लेखन का अध्ययन करके विद्यार्थी उनके समग्र साहित्यिक दृष्टिकोण से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग

Class	Subject	Semester	Course Code	Course Title	Marks	Credit
M.A.	हिन्दी	II	HIN-OE-221	भाषा परिचय	MID - 40 End Sem-60	02

Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा और उसके व्याकरणिक स्वरूप से परिचित करना है। इस प्रश्नपत्र को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से तैयार किया गया है। जिसके अध्ययन से विद्यार्थीगण भाषा और व्याकरण के संदर्भ में अत्यंत जरूरी संदर्भों से परिचित होने के साथ-साथ वर्तमान समय की अकादमिक एवं व्यावहारिक जरूरतों हेतु प्रशिक्षित होते हैं।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: भाषा का सामान्य परिचय, भाषा के निर्माण की परिस्थितियों, भाषा के प्रकार और विशेषताओं के बारें में जानकारी प्राप्त करेंगे।

Unit 2 : हिन्दी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप, वर्ण, शब्द, विकारी और अविकारी शब्दों के बारें में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और अपनी भाषायी दक्षता में संवृद्धि कर सकेंगे।

Unit 3. संधि की परिभाषा, उसके भेदों के साथ-साथ भाषा में संधि के प्रयोग और विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

Unit 4: समास के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के साथ ही भाषा में समास के अनुप्रयोग के बारे में सीखेंगे।

Unit 5 : हिन्दी शब्द-भंडार और उसके निर्माण की प्रक्रिया के बारें में जानकारी प्राप्त करेंगे और तत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी शब्दों के साथ ही मुहावरे एवं लोकोक्तियों के अर्थ तथा भाषा में उनके अनुप्रयोग से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग

Class	Subject	Semester	Course Code	Course Title	Marks	Credit
M.A.	हिन्दी	II	HIN-OE-222	भाषा संरचना	MID - 40 End Sem-60	02

Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कार्यालयीन एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी के महत्व तथा अनुप्रयोग सिखाना है। इस प्रश्नपत्र को विषेशरूप से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रयोजनमूलक हिन्दी से संबन्धित प्रश्नों को देखते हुए तैयार किया गया है। जिसके अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयीन एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी के भाषा में अनुप्रयोग से परिचित होते हैं।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलता पूर्वक पूर्णता पर विद्यार्थीगण -

Unit 1: पल्लवन, संक्षेपण एवं अनुच्छेद लेखन का परिचय, महत्व और प्रयोग के बारें में जानेंगे।

Unit 2 : सरकारी, अर्धसरकारी, व्यावसायिक एवं निजी पत्र लेखन के स्वरूप, महत्व और प्रक्रिया से परिचित होंगे।

Unit 3. ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, प्रारूपण, अधिसूचना, विज्ञप्ति, पृष्ठांकन और आदेश जैसे कार्यालयी प्रपत्रों के लेखन की प्रविधि तथा महत्व के बारें में जानेंगे।

Unit 4: पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के आधार, भाषा में उपयोग के साथ ही रोज़मर्रा के काम-काज में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावलियों से परिचित होंगे।

Unit 5 : निबन्ध की परिभाषा, प्रकार और महत्व के साथ-साथ विभिन्न समसामयिक विषयों पर निबन्ध लेखन का अभ्यास करेंगे ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

<table>
<tr><td colspan="7" align="center">हिन्दी विभाग</td></tr>
<tr><td>Class</td><td>Subject</td><td>Semester</td><td>Course Code</td><td>Course Title</td><td>Marks</td><td>Credit</td></tr>
<tr><td>M.A.</td><td>हिन्दी</td><td>III</td><td>HIN-CC-321</td><td>पूर्व आधुनिक आख्यान मूलक काव्य</td><td>MID - 40
End Sem-60</td><td>05</td></tr>
<tr><td colspan="7">Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आदिकालीन साहित्य के प्रति एक अच्छी समझ विकसित करना। आदिकालकी रचनाएँ और कवियों को पढ़कर आदिकाल के समय और समाज से सीख लेना। आदिकाल के कवि स्वयंभू, पुष्पदंत, धनपाल, हेमचन्द्र, चन्दरवरदाई आदि कवियों की भाषा और साहित्य से सामाजिक उत्कर्ष को जान पायेंगे और अपने प्रति भाषा और साहित्य की अच्छी समझ रख पायेंगे।
Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -
Unit 1: इस इकाई के माध्यम से आदिकाल के प्रमुख कवि चंदरवरदाई की रचना पृथ्वीराज रासो का ऐतिहासिक पक्ष को समझेंगे। साहित्य की प्रामाणिकता और अप्रामाणिकता इस रचना के द्वारा जान पायेंगे।
Unit 2 : भक्तिकाल के प्रमुख सूफी कवि मलिक मोहम्मद जायसी की रचना पद्मावत के द्वारा भारतीय लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी। एक मुस्लिम लेखक हिन्दू पर्व, त्योहार और बारह मासा की जानकारी अपने पास रखता है। यह जानकारी विद्यार्थियों में भी विकसित होगी कि दूसरे धर्म और संस्कृतियों का बोध जीवन में अतिआवश्यक है।
Unit 3: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थियों के गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस के माध्यमसे एक आदर्श समाज और एक आदर्श परिवार की समझ का बोध होगा और अपने जीवन में समन्वयवादी भी जीवन जी सकते हैं।
Unit 4: इस इकाई के माध्यम से हिन्दी के प्रमुख कवि केशदास के साहित्य से समाज के अनेक पहलुओं को जान पायेंगे। रामचन्द्रिका के द्वारा विद्यार्थियों में साहित्यिक रूचि विकसित होगी।
Unit 5 : प्रमुख इकाई में जगन्नाथदास रत्नाकर द्वारा सम्पादित ग्रंथ 'बिहारी रत्नाकर' का मूल भाव जान पायेगें तथा बहुज्ञता के कवि बिहारी के साहित्य मानव जीवन में कितना ज्ञानवर्धक है। इसका बोध विद्यार्थियों में होगा तथा रीतिकालीन प्रवृत्तियाँ काव्य विशेषता का ज्ञान होगा।</td></tr>
</table>

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-CC-322**	**आधुनिक आख्यानमूलक काव्य**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में आधुनिक काल की कविताओं में स्थापित मानवीय मूल्य की समझ स्थापित करना है। आधुनिक आख्यान मूलक काव्य में मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, मुक्तिबोध तथा कुंवर नारायण आदि प्रमुख कवियों की कविताओं के द्वारा पौराणिक कथा के प्रति जागरण तथा राष्ट्रीय चेतना को विद्यार्थियों में समझ स्थापित करना तथा आधुनिक आख्यानमूलक काव्य की कथा और समस्या को वर्तमान से जोड़कर सुधार करना।

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थियों में मैथिलीशरण गुप्त की रचना साकेत के माध्यम से लक्ष्मण की पत्नी व राजवधू उर्मिला के वियोग से एक साधारण स्त्री की मनोदशा की समझ विकसित होगी।

Unit 2 : प्रस्तुत इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में रामधारी सिंह दिनकर की रचना उर्वशी के (द्वितीय अंक) का मूल्यांकन करना तथा कथा के माध्यम से समाज में सामाजिक महत्व स्थापित करना।

Unit 3: प्रस्तुत इकाई में जयशंकर प्रसाद की महाकाव्य रचना कामायनी के अध्ययन से मानव जीवन की वास्तविक जीवन संघर्ष के साथ आशा और निराशा की स्थिति से परिचित होना तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की लम्बी कविता 'राम की शक्ति पूजा' से राम के सम्पूर्ण जीवन का मूल्यांकन करना तथा मानव जीवन से सम्बन्ध स्थापित करना। इस प्रकार विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य स्थापित करना।

Unit 4: इस इकाई के माध्यम से मुक्तिबोध की कविता 'भूल-गलती' और अंधेरे में भ्रष्टाचार, अन्याय, अत्याचार और सामाजिक अव्यवस्था के खिलाफ मानव के मन की आन्तरिक द्वन्द ज्ञात करना।

Unit 5 : पिछले कई वर्षों से कुंवर नारायण की कृति 'आत्मजयी' ने हिन्दी साहित्य में एक मानक प्रबन्ध-काव्य के रूप में अपनी एक खास जगह बनाई है। आत्मजयी कथा के माध्यम से पौराणिक कथा (नचिकेता की कथा) का आधुनिक समय में पुनर्मूल्यांकन करना तथा विद्यार्थियों में पौराणिक कथा के माध्यम से आधुनिक कथा के प्रति रूचि जाग्रत करना।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-CC-323**	**प्रगीत और मुक्तक काव्य**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के माध्यम से एम.ए. हिंदी साहित्य के विद्यार्थी प्रगीत तथा मुक्तक काव्य की परिभाषा तथा उसके स्वरूप से परिचित हो सकेंगे और उनमें एक स्वस्थ साहित्यिक बोध का निर्माण हो सकेगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस इकाई में विद्यार्थी विद्यापति के प्रगीत और मुक्तक काव्य को पढेंगे और उन्हें जान पाएंगे।

इकाई - 2 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी श्याम सुंदर दास द्वारा सम्पादित कबीर ग्रंथावली तथा सूरदास के भ्रमरगीत सार के पदों का अध्ययन करेंगे तथा भक्तिकालीन काव्य के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -3 इस क्रम में विद्यार्थी रीतिकालीन प्रमुख कवियों जगन्नाथ दास रत्नाकर,पद्माकर तथा भूषण के काव्य का रसास्वादन कर सकेंगे।

इकाई -4 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र,नज़ीर अकबराबादी, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा तथा हरिवंशराय बच्चन की कविताओं को पढेंगे।

इकाई- 5 इस इकाई में विद्यार्थी हिंदी के नरेश मेहता, दुष्यंत कुमार, रघुवीर सहाय, धूमिल,तथा राजेश जोशी की कुछ महत्वपूर्ण तथा चुनिंदा कविताओं को पढेंगे तथा सामाजिक समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-EC-321**	**अज्ञेय**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. हिंदी के विद्यार्थी प्रयोगावदी काव्यधारा के सूत्रधार सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन अज्ञेय के साहित्यिक योगदान का अवलोकन करेंगे। अज्ञेय की कविताओं, निबंधों,संस्मरण, यात्रा वृतांत,उपन्यास तथा कहानियों का अध्ययन करते हुए विद्यार्थी उनकी रचनाओं की विविधताओं, भाषा शैली और उनके समाज बोध को जान सकेंगे।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी निबंधकार विद्यानिवास मिश्र के दृष्टिकोण से अज्ञेय के काव्य संसार को जानते हुए उनकी प्रमुख कविताओं पहले मैं एक सन्नाटा बुनता हूं,बावरा अहेरी, साम्राज्ञी आदि का अध्ययन करेंगे, और उनके माध्यम से अज्ञेय की काव्य शैली को जान सकेंगे।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी आत्मनेपद,नए लेखक की समस्याएं, मैं क्यों लिखता हूं आदि का अध्ययन करते हुए निबंधकार अज्ञेय के व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे, साथ ही साहित्य सृजन के नये मापदण्दों के प्रति भी उनमें एक समझ विकसित होगी।

इकाई - 3 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी अज्ञेय द्वारा लिखित संस्मरण और यात्रा वृतांत स्मृतिलेख, लेखक और परिवेश, अरे यायावर रहेगा याद आदि का अध्ययन करते हुए अज्ञेय साहित्य के संवेदनात्मक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 4 इस भाग में अज्ञेय के सर्वाधिक पढे जानें वाले उपन्यास 'शेखर एक जीवनी' भाग दो का अध्ययन करते हुए अज्ञेय के समाज बोध, व्यक्ति बोध और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिचित हो सकेंगे, साथ ही अज्ञेय की उपन्यास कला के पक्षों को जानकर उनमें नए कथा साहित्य के प्रति एक समझ विकसित होगी।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी अज्ञेय द्वारा लिखित कहानियों विपथगा, शरणदाता, जयदोल तथा नारंगियों का अध्ययन करेंगे जिसके माध्यम से वे अज्ञेय के मनोवज्ञानिक दृष्टिकोण, व्यक्ति को समझने की उनकी संवेदंशीलता से परिचित होते हुए आधुनिक कथा साहित्य के स्वरुप, शिल्प और विषयवस्तु को समझ सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-EC-322**	**मुक्तिबोध**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी कविता के तीसरे युग प्रयोगवाद के प्रारम्भ में 1943 में अज्ञेय द्वारा प्रकाशित तारसप्तक के पहले अंक से हिन्दी कविता के पटल पर सामने आये मुक्तिबोध की काव्य संवेदना को आधुनिक सामाजिक राजनैतिक सन्दर्भ में व्याख्यायित और विश्लेषित करना समीचीन होगा| मुक्तिबोध एक कवि के साथ-साथ एक आलोचक और उपन्यासकार भी हैं| मुक्तिबोध के समग्र साहित्यक व्यक्तित्त्व को उनकी रचनाधर्मिता के माध्यम से समझकर, विद्यार्थी अपने समय के आधुनिक समाज और राजनीति की जटिलताओं को व्यापक अर्थ में संवेदनशीलता से समझ सकेंगे| पूरी आधुनिक हिन्दी कविता में मुक्तिबोध एक मात्र कवि हैं जो सैकड़ों साल बाद भी अपनी काव्य संवेदना के कारण समकालीन रहेंगे| मुक्तिबोध की कवितायें हमारे अनवरत बदलते हुए आधुनिक जीवन, समाज और राजनीति की संवेदनहीनता का यथार्थ आख्यान हैं| इस अध्ययन से विद्यार्थियों में एक संवेदनशील नागरिक के साथ एक संवेदनशील समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा|

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1 इस इकाई में आधुनिक हिन्दी की सबसे चुनौतीपूर्ण लम्बी कविता 'अँधेरे में' के साथ 'ब्रहमराक्षस' और 'भूल गलती' कविताओं की व्याख्या और विश्लेषण समझ सकेंगे|

UNIT-2 इस इकाई में मुक्तिबोध की प्रमुख कहानियों जैसे 'काठ का सपना' और 'ब्रह्मराक्षस का शिष्य' कहानी का अध्ययन विवेचन समझ सकेंगे|

UNIT-3 इस इकाई में मुक्तिबोध के चर्चित उपन्यास 'विपात्र' का पाठ अध्ययन और विवेचन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT-4 इस इकाई में मुक्तिबोध की आलोचना प्रतिभा और क्षमता को पहचाना जा सकता है| हिन्दी आलोचना में मुक्तिबोध की मौलिक आलोचना से उन्नीसवीं सदी के बाद के भारतीय समाज और उसमे सक्रिय विचारधाराओं के साथ नवीन साहित्यक द्रष्टिकोण को भी समझ भलीभांति समझ सकेंगे |

UNIT-5 इस इकाई में हिन्दी की नयी कविता के साथ मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया को भी उनके लेखन के माध्यम से विश्लेषित किया जायगा| मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन के साथ नई कविता की प्रकुति, और नई कविता के आत्म संघर्ष को मुक्तिबोध के आलोचना विवेक के द्वारा विद्यार्थियों को समझने का अवसर मिलेगा|

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	हिन्दी	IV	HIN-EC-323	निराला	MID - 40 End Sem-60	04

Course objectives :
इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत आधुनिक हिन्दी साहित्य में सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के विशेष अध्ययन में निराला के सम्पूर्ण साहित्यक योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराना | आधुनिक हिन्दी कविता को पुराने छंदों के बंधन से मुक्त कर हिन्दी कविता में क्रांतिकारी बदलाव के अध्ययन के साथ-साथ आधुनिक हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं में निराला के साहित्यक योगदान को समझना और विश्लेषित करना प्रमुख उद्देश्य है | इस पाठ्यक्रम से स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों में आधुनिक हिन्दी साहित्य की समझ विकसित होगी तथा आधुनिक हिन्दी कविता के विकास को विद्यार्थी बेहतर रूप में समझ पायेंगे
.

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1 इस इकाई में निराला की चयनित प्रमुख कविताओं के साथ उनकी प्रसिध्द लम्बी कविता राम की शक्ति पूजा की व्याख्या और विश्लेषण समझ सकेंगे |

UNIT-2 इस इकाई में निराला की प्रगतिवादी विचारधारा से प्रभावित कविताओं जैसे कुकरमुत्ता, तोडती पत्थर कविताओं के साथ उनकी अपने जीवन की त्रासदी पर लिखी महत्त्वपूर्ण कविता 'सरोज स्मृति' का अध्ययन विश्लेष्ण कर सकेंगे |

UNIT-3 इस इकाई में निराला के गद्य साहित्य के अंतर्गत उनकी प्रमुख और चर्चित कहानियों का पठान-पाठन और विवेचना अध्ययन से परिचित हो सकेंगे |

UNIT-4 इस इकाई में निराला के द्वारा लिखे गए महत्त्वपूर्ण रेखाचित्र 'कुल्लीभाट' का अध्ययन और विवेचन कर सकेंगे |

UNIT-5 इस इकाई में 'निराला की साहित्य साधना' जो की उनकी जीवनी है के भाग एक का अध्ययन विश्लेषण किया जायगा जिससे एक महाकवि के जीवन और साहित्य को विद्यार्थी प्रामाणिक रूप में समझ सकेंगे |

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-OE-321**	**हिंदी साहित्य के विविध विमर्श** (बाहरी क्षात्रों के लिये)	**MID - 40 End Sem-60**	**02**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य एम.ए. हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्यिक के महत्वपूर्ण और प्रचलित विमर्शों से परिचित करवाना है, जिससे उनमें साहित्य के वृहत सामजिक उद्देश्यों की समझ विकसित हो सके। स्त्री विमर्श, दलित विमर्श और आदिवासी विमर्श के स्वरूप और महत्व को समझते हुए विद्यार्थी इन समस्त साहित्यिक - सामाजिक विमर्शों पर आधारित कथा साहित्य भी पढेंगे , जो उनकी संवेदनाओं को जगाकर उनमें सामाजिक और नैतिक कर्तव्यबोध जागृत करने में सफल साबित होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी अस्मितावादी विमर्श के अर्थ और स्वरुप को समझते हुए अस्मितावादी विमर्श की अवधारणा को जान सकेंगे। साथ ही उनमें हाशिये के समाज के प्रति समझ विकसित होगी।

इकाई -2 दलित विमर्श के अर्थ,स्वरूप, अवधारणा और महत्व को सैद्धान्तिक तौर पर समझते हुए दलित विमर्श पर केंद्रित प्रमुख साहित्यिक कृतियों का अध्ययन करेंगे। जिससे उनमें दलित चिंतन के प्रति एक व्यापक समझ विकसित होगी।

इकाई - 3 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी पाश्चात्य और भारतीय दृष्टिकोण से स्त्री विमर्श के अर्थ, अवधारणा, आवश्यकता और महत्व को समझ सकेंगे। स्त्री विमर्श के प्रमुख रचनाकारों के विषय और उनकी कृतियों के माध्यम से विद्यार्थी स्त्री जीवन के विभिन्न पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी आदिवासी रचनाकारों और उनकी चुनिंदा कृतियों का अध्ययन करते हुए आदिवासी विमर्श के अर्थ, अवधारणा और साहित्यिक महत्व से परिचित हो सकेंगे। साथ ही आदिवासी समाज की समस्याओं, आवशयकताओं को भी जान सकेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी साहित्य में प्रचलित विमर्शों के अतिरिक्त उन विचारों और विमर्शों को भी जान - समझ सकेंगे जो एक बेहतर समाज के निर्माण के लिये अत्यधिक आवश्यक हैं।अल्पसंख्यक,लैंगिक आदि विषयों पर रचित रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थी अपने समाज को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से समझ सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**III**	**HIN-OE-322**	**हिन्दी विमर्शवादी लेखन**	**MID - 40** **End Sem-60**	**02**

Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी विमर्शवादी लेखन के द्वारा सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक समझ विकसित करनी है। साहित्यिक विमर्श में दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श की प्रासंगिकता स्थापित करना। अस्मितावादी कविता, कहानी, उपन्यास और आत्मकथा और जीवनी के माध्यम से उपेक्षित समाज के वास्तविक जीवन से परिचित होना इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: प्रस्तुत इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में दलित कवियों की कविताओं से दलित जीवन को जान पायेंगे। प्रमुख कवि हीराडोम और सूरजपाल की कविता से सामाजिक स्थिति का बोध होगा।

Unit 2 : इस इकाई के द्वारा विद्यार्थियों में दलित और आदिवासी कहानीकारों की कहानी से दलित समाज और आदिवासी समाज के वास्तविक जीवन और संस्कृति का बोध होगा।

Unit 3: प्रस्तुत इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में कवयित्री कात्यायनी और अनामिका के साहित्य के अलावा अन्य स्त्री लेखन से परिचित होंगे तथा भारतीय समाज में स्त्री की संघर्ष और जीवन शैली को भी समझ पायेंगे।

Unit 4: प्रस्तुत इकाई के द्वारा विद्यार्थियों में आदिवासी लेखक रामदयाल मुंडा और निर्मला पुतुल के साहित्य से आदिवासियों के समाज और संस्कृति का अध्ययन करेंगे। वर्तमान में आदिवासी साहित्य से भी परिचित होंगे तथा इस साहित्य से जल, जंगल और जमीन की महत्व को भी समझ पायेंगे।

Unit 5 : प्रस्तुत इकाई के माध्यम से विद्यार्थी अन्य विमर्शवादी साहित्य का अध्ययन करेगें तथा जेन्डर साहित्य का बोध होगा। साथ ही साथ दलित स्त्री लेखक कौशल्या बैसन्त्री की आत्मकथा दोहरा अभिशाप का अध्ययन करेंगे और हिन्दी साहित्य में नये-नये विमर्शों से परिचित होंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग

Class	Subject	Semester	Course Code	Course Title	Marks	Credit
M.A.	हिन्दी	III	HIN-OE-323	प्रणामी साहित्य	MID - 40 End Sem-60	02

Course Objectives:

स्नातकोत्तर कक्षाओं के बाहरी विषय के विद्यार्थियों के लिए संचालित इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भक्ति साहित्य में प्रणामी साहित्य के परिचय के साथ प्रणामी साहित्य की अनूठी निर्गुण भक्ति के माध्यम से समाज में सर्वधर्म समभाव के विचार को स्थापित करना |

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: प्रणामी साहित्य के अंतर्गत प्रणामी सम्प्रदाय का संक्षित परिचय एवम् प्रणामी साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करना | प्रणामी साहित्य कि उत्पत्ति एवं विकास को रेखांकित करना तथा प्रणामी साहित्य की प्रमुख मान्यताओं और प्रतीकों को समझ सकेंगे |

Unit 2 : प्रणामी सम्प्रदाय की ऐतिहासिक सामाजिक सांस्कृतिक भूमिका के साथ प्रणामी सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्यों के साहित्य और जीवन के प्रेरक तत्त्वों से को समझना | बुंदेलखंड के वीर यौध्दा और कवि हृदय महाराजा छत्रसाल पर उनके गुरु महामति प्राणनाथ के प्रभाव को समझ सकेंगे |

Unit 3. यहाँ महामति प्राणनाथ के जीवन एवं उनकी वाणी के माध्यम से उनकी प्रमुख रचनाओं को समझना तथा उनकी वाणी में निहित प्रेरक सामाजिक सरोकारों को समझ सकेंगे |

Unit 4: यहाँ प्रणामी सम्प्रदाय के महत्त्वपूर्ण ग्रंथों श्रीप्रकाश एवं श्रीकलश के चुने हुए अंशों का रचना पाठ और व्याख्या के माध्यम से प्रणामी साहित्य के जीवनोपयोगी प्रसंगों को समझ सकेंगे |

Unit 5 : महाराजा छत्रसाल और प्रणामी सम्प्रदाय के सम्बन्ध को रेखांकित करते हुए प्रणामी सम्प्रदाय की भक्तिद्रष्टि के सामाजिक सांस्कृतिक पक्षों का विश्लेषण कर सकेंगे |

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-CC-421**	**नाटक**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के अन्दर हिंदी नाटक की परम्परा और कुछ चुने हुये नाटकों के माध्यम से हिन्दी नाटक की विकास-यात्रा को समझाना है। सम्प्रेषण की दृष्टि से नाटक साहित्य की सर्वश्रेष्ठ विधा होने के कारण यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों के लिए रंगमंच के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करता है।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: आधुनिक हिन्दी के जनक भारतेन्दु हरिश्चंद्र के प्रसिद्ध नाटक 'भारत दुर्दशा' और जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुस्वामिनी' के माध्यम से साहित्य की जन-पक्षधर चरित्र से परिचित हो सकेंगे।

Unit 2 : आगा हश्र कश्मीरी के नाटक 'यहूदी की लड़की' और जगदीशचन्द्र माथुर के नाटक 'कोणार्क' के वस्तु, शिल्प और कथ्य के बारे में जान सकेंगे।

Unit 3. आधुनिक हिन्दी नाटक के दो महत्वपूर्ण हस्ताक्षर मोहन राकेश और धर्मवीर भारती के प्रसिद्ध नाटकों क्रमश: 'लहरों के राजहंस' और 'अंधायुग' के संदर्भ में पढ़ेंगे और मनुष्य एवं जीवन जगत के अंतरसंबन्धों को नए सिरे से व्याख्यायित कर सकेंगे।

Unit 4: 'हानूष' और 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' जैसे नाटकों के मध्य से भीष्म साहनी एवं सुरेन्द्र वर्मा के नाट्य-शिल्प से परिचित हो सकेंगे।

Unit 5 : नंदकिशोर आचार्य के नाटक 'हस्तिनापुर' और असगर वज़ाहत के नाटक 'गाँधी @ गोडसे डॉट कॉम' नाटकों का अध्ययन मनन करने के साथ ही समकालीन हिन्दी नाटक के स्वभाव और उद्देश्य को समझ पायेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-CC- 422**	**भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा**	**MID - 40 End Sem- 60**	**05**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. हिंदी के विद्यार्थी भाषा के वैज्ञानिक स्वरूप को समझते हुए हिंदी भाषा का भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन करेंगे। इस क्रम में विद्यार्थी भाषा के अर्थ, स्वरूप, प्रकृति और विशेषताओं को समझते हुए भाषा की विभिन्न इकाईयों का सूक्ष्मता के साथ अध्ययन करेंगे। जिससे उनमें भाषा के प्रयोग और उच्चारण की समझ तो विकसित होगी ही साथ ही वे हिंदी के अतिरिक्त अन्य भारतीय लोकभाषाओं के भाषिक स्वरूप से भी परिचित हो पाएंगे।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी भाषा के अर्थ, परिभाषा और विशेषताओं का अध्ययन करेंगे, साथ ही उनमें भाषा की परिवर्तनशीलता और महत्व के सम्बन्ध में समझ विकसित होगी, वे भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाओं, अंगों और भाषा विज्ञान से सम्बंधित शास्त्रों का भी विस्तृत अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी ध्वनि विज्ञान के स्वरूप, इतिहास, अवधारणा का अध्ययन करते हुए उसके वर्गीकरण और विभिन्न भेदों को जान सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी वाक्य विज्ञान की परिभाषा, वाक्य संरचना, वाक्य के तत्व, वाक्य और पदक्रम, पद विन्यास, आदि का अध्ययन करते हुए वाक्य रचना के स्वरुप से परिचित हो सकेंगे, जिससे उनकी लेखन शैली भी स्पष्ट होगी ।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी भारतीय आर्य भाषाओं के इतिहास, काल विभाजन तदनुरूप मुख्य प्रवृत्तियों और वर्गीकरण का अध्ययन करते हुए हिंदी की विभिन्न बोलियों के भाषा वैज्ञानिक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे और साथ ही उनमें आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के प्रति भी व्यापक समझ विकसित होगी।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी हिंदी भाषा के व्यापक स्वरूप को समझते उसके विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे, जिसमें सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन किया जायेगा , भाषा के लिपिगत इतिहास के अध्ययन के साथ ही विद्यार्थी हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति को जानते - समझते हुए हिंदी के वैश्विक महत्व से रुबरु हो सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-CC- 423**	**मध्यकालीन हिंदी साहित्य की अवधारणा**	**MID - 40 End Sem-60**	**05**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. हिंदी के विद्यार्थी मध्यकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि,स्वरूप और प्रवृत्तियों का आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा डॉ.रामविलास शर्मा के चिंतन और शोध के आलोक में अध्ययन और मूल्यांकन करेंगे। मध्यकालीन हिंदी साहित्य के दोनों भागों भक्तिकाल और रीतिकाल के सामाजिक,सांस्कृतिक और लोक पक्षों को समझते हुए इस कालखंड में रचित साहित्य की भाषा शैली, काव्य रूप, काव्य विषय के सम्बन्ध में विद्यार्थियों की स्पष्ट समझ विकसित होगी तथा वे साहित्य और समाज के अंतरसम्बंधों को भी समझ सकेंगे।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा रामविलास शर्मा के हिंदी साहित्य के इतिहास,स्वरूप और कालविभाजन से सम्ब्रधित महत्वपूर्ण ग्रंथों का अध्ययन करेंगे जिससे उनमें मध्यकालीन हिंदी साहित्य के काव्य स्वरूप, विषय वस्तु, भाषा शैली के प्रति एक समझ विकसित होगी साथ ही वे मध्यकालीन स्थापत्य कला, चित्र कला, संगीत कला आदि के ज़रिये मध्यकाल की सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी मध्यकालीन भाषा ब्रज, अवधी, मैथिली, राजस्थानी आदि में लिखित साहित्य का अध्ययन करेंगे, साथ इन भाषाओं में रचित विविध काव्य रूपों, काव्य शैलियों, कथानक रुढियों को समझते हुए तत्कालीन लोक समाज, लोक संस्कृतियों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी मध्यकाल में रचित दरबारी साहित्य और लोक साहित्य का अध्ययन करते हुए मध्यकालीन साहित्य की सभी प्रमुख काव्यधाराओं को जान - समझ सकेंगे, उनका काव्य शास्त्रीय, लोकशास्त्रीय तथा समाजवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी मध्यकालीन लोकसंस्कृति,वास्तुकला, स्थापत्य कला, संगीत कला, चित्राकला आदि का अध्ययन करके मध्यकालीन साहित्य और लोक संस्कृति के अंतरसम्बंधों का सतत मूल्याकन कर सकेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी विद्यार्थी मध्यकाल के आरम्भ से पूरे देश में संचारित भक्ति आंदोलन के स्वरूप, प्रकार और प्रवृत्तियों पर विचार करेंगे। साथ ही तत्कालीन समाज की जातिगत व्यवस्था, वर्ण व्यवस्था, स्त्री- पुरुष सम्बन्ध आदि के प्रति भी विद्यार्थियों में एक परिपक्व दृष्टिकोण विकसित होगा।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of M.A. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-EC- 421**	**भारतीय भाषाओं का रंगमंच** (ऐच्छिक)	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. हिंदी के विद्यार्थी भारतीय रंग मंच के स्वरुप को और महत्व को समझते हुए लोक भाषाओं, भारतीय भाषाओं में लिखित विभिन्न लोकप्रिय, महत्वपूर्ण नाटकों का अध्ययन करेंगे। जिनके तहत भारतेंदु युगीन नाटकों से लेकर वर्तमान दौर के चुंनिदा नाटकों का अध्ययन करेंगे,तथा उअन्में लोक और रंगमच के सम्बन्धों को आधुनिक परिवेश में देखने की एक दृष्टि विकसित होगी।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी 'लोक' शब्द के अर्थ , सामजिक स्वरुप को समझकर आधुनिक रंगमंच के माध्यम से लोक संस्कृति और लोक साहित्य के प्रचार और विस्तार को समझ सकेंगे।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी पाश्चात्य रंगमंच और भारतीय रंगमंच के अंतरसम्बंधों पर विचार करते हुए आधुनिक भारतीय रंगमंच के स्वरूप,महत्व और अवधाराणा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी भारतेंदु हरिश्चंद्र के सुप्रसिद्ध नाटक 'अंधेर नगरी' तथा जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक "चंद्रगुप्त" का अध्ययन करेते हुए देश, काल परिस्थिति में आए बदलावों के आलोक में रंगमंचीय तत्वों का विशलेषण कर सकेंगे।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी बादल सरकार द्वारा मूलत: बांग्ला में लिखित लोकप्रिय नाटक 'इंद्रजीत' तथा गिरीश कर्नाड द्वारा मूलत: कन्नड में लिखित नाटक 'तुगलक' और 'ययाति' के हिंदी अनुवादों का अध्ययन करते हुए पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारतीय रंगमंच और लोक साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी सुप्रसिद्ध नाटककार असगर वज़ाहत के बेहद चर्चित और लोकप्रिय नाटक 'जिस लाहौर नहीं देख्या' तथा मराठी नाटककार विजय तेंदुलकर के नाटक 'खामोश! अदालत ज़ारी है' का अध्ययन करते हुए विद्यार्थियों में हिंदी भाषी तथा मराठी रंगमंच के तत्वों, विषय वस्तु और उनमें व्यक्त लोकजीवन के प्रति व्यापक दृष्टि विकसित होगी।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-EC-422**	**अस्मितावादी विमर्श**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives:
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अस्मितावादी विमर्श के प्रति समझ विकसित करना है, जिसके माध्यम से दलित साहित्य, स्त्री साहित्य, आदिवासी साहित्य तथा अन्य वंचित साहित्य का अध्ययन करना है। इस प्रकार हाशिए के साहित्य के द्वारा उनके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी। जिससे वे अपने जीवन में एक समतामूलक समाज का निर्माण कर सकें।

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

Unit 1: अस्मितावादी विमर्शों का अर्थ और अवधारणा का विकास भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के मत से एक उत्कृष्ट कोटि की समझ विकसित होगी। विद्यार्थी इससे भारतीय वर्ण-व्यवस्था की संरचना भी समझ सकेंगे।

Unit 2 : स्त्री विमर्श की समझ स्त्री लेखक अनामिका, कात्यायनी, मैत्रेयी पुष्पा, प्रभाखेतान के साहित्य से विकसित होगी। इन कवयित्रियों के माध्यम से एक स्त्री की वास्तविक पीड़ा और संघर्ष भी जान पायेंगे।

Unit 3: इस इकाई में दलित जीवन की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक पीड़ा को समझ पायेंगे तथा समाज में व्याप्त छुआछूत, भेदभाव तथा वर्ण-व्यवस्था को भी जान पायेंगे। इस काल के प्रमुख कवि हीराडोम, अछूतानंद के साहित्य से दलित समाज में आई चेतना भी जान पायेंगे।

Unit 4: प्रमुख दलित कवि ओम प्रकाश वाल्मीकि, तुलसीराम, मोहनदास नैमिशराय, सुशीला टांकभौरे के कथा साहित्य से एक ऐसे वर्ग से परिचित होंगे जो जातिगत भेदभाव को जिया हो, विद्यार्थी स्वानुभूति के साहित्य से परिचित होंगे।

Unit 5 : आदिवासी लेखक रामदयाल मुण्डा, हरीराम मीणा, निर्मला पुतुल, श्रीप्रकाश मिश्र के साहित्य से आदिवासी समाज के जीवन शैली और संस्कृति का बोध होगा तथा आदिवासी विमर्श की अर्थ और अवधारणा भी जान पायेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of M.A. Program in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of M.A. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
M.A.	**हिन्दी**	**IV**	**HIN-EC-423**	**कबीर**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course objectives:

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के भक्ति काल की प्रमुख धाराओं में से एक निर्गुण भक्ति धारा के प्रतिनिधि और बहु आयामी रचनाकार कबीर के साहित्य के विविध पक्षों से परिचय कराना एवं कबीर की वाणी में अभिव्यक्त भक्ति के निर्गुण स्वरूप के साथ-साथ कबीरवाणी में नीहित समाज सुधार की गहरी चिंताओं को व्यापक अर्थों में समझना एवं विश्लेषित करना प्रमुख उद्देश्य है | इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में आडम्बरों, कुरीतियों और सभी तरह के भेद-भाव से मुक्त समाज के निर्माण की प्रेरणा विकसित होगी तथा जिससे समाज और ईश्वर को लेकर विद्यार्थियों में एक स्वस्थ्य दृष्टिकोण निर्मित होगा |

Course Learning Outcomes: इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर छात्र -

UNIT-1 इस इकाई के अंतर्गत कबीर ग्रंथावली से चयनित कबीर के विशेष महत्वपूर्ण पदों जैसे साखी से -गुरुदेव को अंग, सुमिरन को अंग तथा विरह को अंग के पदों की व्याख्या और विश्लेषण के माध्यम से आधुनिक जीवन में भी कबीर की भक्ति एवं समाज दर्शन को समझ सकेंगे |

UNIT-2 इस इकाई में भी कबीर ग्रंथावली से चुने हुए विशेष महत्त्व के पदों की विवेचना विश्लेषण केंद्र में है |UNIT-3 इस इकाई में कबीर साहित्य के सिध्दहस्त विद्वान् आलोचकों के द्वारा विवेचित विश्लेषित कबीर को समझना | कबीर के आलोचकों में श्यामसुन्दरदास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद दिवेदी, धर्मवीर और पुरषोत्तम अग्रवाल की मान्यताओं को समझ सकेंगे |

UNIT-4 इस इकाई के अंतर्गत कबीर की भक्ति भावना, रहस्यवाद, सामाजिक चेतना, उनकी उलटबांसी और कबीर की भाषा का विश्लेषण करना सीख सकेंगे |

UNIT-5 इस इकाई के तहत कबीर का युग और हिन्दी साहित्य के इतिहास में उनकी उपस्थिति की प्रामाणिक विवेचना कर सकेंगे |

पीएच.डी. पाठ्यक्रम

(LOCF)

(वर्ष 2021–22)

हिन्दी विभाग

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म0प्र0)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**	**III**	**HIN-CC- 141**	**शोध प्रविधि**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी हिंदी में शोधरत विद्यार्थी अनुसंधान के स्वरूप ,प्रकारऔर सिद्धांतों का अध्ययन करते हुए एक व्यवथित रूप से शोध कर्म को साकार करने की प्रक्रिया को समझ पायेंगे। यह पाठ्यक्रम शोधरत विद्यार्थीयों के अध्ययन , चिंतन और लेखन की प्रक्रिया को सहज बनायेगा जिससे विद्यार्थी शोध के निर्धारित मानदंडों के अनुसार अपना कार्य सम्पन्न कर सकने में सक्षम बन सकेंगे।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी अनुसंधान के स्वरूप,सिद्धांत और उसकी विभिन्न प्रविधियों पर समाजाशास्त्रीय, ऐतिहासिक,तुलनात्मक, सांस्कृतिक तथा तुलनात्मक दृष्टि से अधययन करेंगे जिससे उनके शोध कर्म के प्रति उनमें एक स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी शोध प्रक्रिया के अगले चरण में प्रवेश करते हुए शोध सामग्री के संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण आदि की प्रकिया को आत्मसात कर सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी शोध प्रक्रिया में पाठालोचन के महत्व और स्वरूप को समझ सकेंगे साथ ही शोध से सम्बन्धित लेख,साक्षत्कार,संदर्भ आदि का प्रयोग कैसे किया जाए इसकी भी समझ उनमें विकसित होगी।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी शोध कर्म में सर्वेक्षण की आवश्यकता, उपयोगिता, शोध प्रबंध के प्रारूप,संदर्भ लेखन, पाद टिप्पणी आदि अन्य सूक्ष्मताओं से परिचित हो सकेंगे जो एक बेहतरीन शोध लेखन के लिये आवश्यक होती हैं।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी कम्प्यूटर के व्यावहारिक प्रयोग से परिचित हो सकेंगे।उनमें हिंदी टाईपिंग, पॉवर प्वाइंट प्रोजेक्ट, एम.एस ऑफिस, इंटरनेट के प्रयोग आदि की व्यावहारिक समझ विकसित होगी जो उनके शोध कर्म और लेखन दोनों में सहायक सिद्ध होगा।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**		**HIN-CC- 142**	**साहित्य आलोचना व विचार की संस्कृति**	**MID - 40 End Sem- 60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी हिंदी में शोधरत विद्यार्थी साहित्य आलोचना के विभिन्न मापदंडों,स्वरूपों का अध्ययन करते हुए समय - समय पर साहित्यिक रचना कर्म और चिंतन को प्रभावित करने वाली विचारधाराओं को तत्कालीन समाज की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के आलोक में देखने - समझने का प्रयास करेंगे। इस पाठयक्रम के माध्यम से शोधरत विद्यार्थियों को विचार और चिंतन के नये आयाम प्राप्त होंगे, जो उनके बौद्धिक विकास में सहायक होगा साथ ही उनके शोध कार्य को भी एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी भारतीय संस्कृति को अपनी दार्शनिक चेतना और मानवीय मूल्यों से समृद्ध करने वाली प्रमुख विचारधाराओं का अध्ययन करेंगे। बौद्ध,जैन,अद्वैत,सूफिमत के विभिन्न दार्शनिक पहलुओं पर विचार करते हुए विद्यार्थियों में भारतीय नवजागरण काल को प्रभावित करने वाली विचारधाराओं और दर्शन के प्रति एक समझ विकसित होगी।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समृद्ध परम्परा का अध्ययन करेंगे। साहित्येतिहास लेखन की विविध प्रविधियों को जानकर, हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण सम्बंधी विभिन्न विद्वानों के मतो और विचारों का अध्ययन करके विद्यार्थी हिंदी साहित्य के गौरवशाली इतिहास को जान सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी मार्क्सवादी दर्शन की पृष्ठभूमि,विचारधारा को समझते हुए साहित्य और विचारधारा के सम्बंधों और महत्व पर चिंतन कर सकेंगे, साथ ही प्रगतिवादी आलोचना के प्रमुख ग्रंथों का अध्ययन विद्यार्थियों में समाज के प्रति नए भाव बोध विकसित कर सकेगा ऐसा विश्वास है।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी साहित्यिक आलोचना के आधुनिक सिद्धांतों का अध्ययन करेंगे, जिनमें अस्तित्त्ववाद,आधुनिकतावाद, संरचनावाद,उत्तरसंरचनावाद आदि शामिल है। साथ ही विद्यार्थी साहित्य के विभिन्न चिंतकों के विचारों को समझकर साहित्य के समाजशास्त्र को गहराई से जान सकेंगे जो उनमें साहित्य लेखन और अध्ययन के नयी दृष्टि विकसित कर सकेगा।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी आधुनिक भारतीय विचारकों, उनकी रचनाओं,कार्यो और सामाजिक योगदान पर चिंतन करते हुए वैश्विक स्तर पर उनके विचारों के प्रभाव का अध्ययन करेंगे। स्वामी विवेकानंद,महात्मा गांधी,रवींद्रनाथ टैगोर,बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, जवाहरलाल नेहरु तथा राममनोहर लोहिया के विचारों और कार्यों का अध्ययन निश्चित ही विद्यार्थियों के चिंतन को विकसित करने में सहायक होगा।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of Ph.D. Course Work Program in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of Ph.D. in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD.	**हिन्दी**	**I**	**HIN-EC-143**	**साहित्यिक विमर्श**	**MID - 40** **End Sem-60**	**04**

Course Objectives :
इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीएचडी के शोध छात्रों में विमर्श के प्रति एक समझ विकसित करना है तथा उन्हे दलित , स्त्री और आदिवासी विमर्श के साथ बहुत से नाव साहित्यिक विमर्शों से भी परिचित कराना है । साहित्य का अद्यतन दौर विमर्शमूलक है । इसलिए इसके अध्ययन से शोधार्थी अपनी वैचारिक दृष्टि का निर्माण कर सकेंगे ।

Course Learning Outcomes : इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक सम्पन्न करने पर शोधार्थी -

Unit 1: विमर्शन के अर्थ को समझ सकेंगे । अस्मितावादी विमर्श के दौर में साहित्य में आ रहे नए विमर्शों से परिचित हो सकेंगे । साथ ही आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता के अध्ययन से एक तार्किक वैचारिक दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।

Unit 2 : स्त्री विमर्श को भारतीय और पाश्चात्य नजरिए से समझ सकेंगे । साथ ही इस क्रम में ,मन्नू भण्डारी , अनामिका , मैत्रेयी पुष्पा , कृष्णा सोबती , प्रभा खेतान , सुषम वेदी एवं अन्य स्त्री साहित्यकारों के अवदान से परिचित हो सकेंगे ।

Unit 3 : भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि के आधार पर दलित विमर्श की सैद्धांतिकी एवं अवधारणा को समझ सकेंगे ,इस क्रम में हीरा डोम , अछूतानन्द , ओमप्रकाश बाल्मीकि , तुलसीराम , मोहनदास नैमिषराय , कौशल्या बैसंती , विमल थोराट , सुशीला टाकभोरे इत्यादि दलित साहित्यकारों का अध्ययन कर सकेंगे ।

Unit 4 : भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि के आधार पर आदिवासी विमर्श के अर्थ अवधारणा और सैद्धांतिकी को समझ सकेंगे । इस क्रम में रामदयाल मुंडा ,रमणिका गुप्ता , उदयप्रकाश , वंदना टेटे , श्रीप्रकाश मिश्र, निर्मला पुतुल , हरीराम मीणा एवं अन्य आदिवासी साहित्यकारों का अध्ययन कर सकेंगे ।

Unit 5 : साहित्य में बढ़ रहे विमर्श के दायरे से परिचित हो सकेंगे तथा इस क्रम में नव साहित्यिक विमर्शों-अल्पसंख्यक विमर्श , सत्ता विमर्श , पर्यावरण विमर्श ,एलजीबीटी विमर्श का विशेष रूप से अध्ययन कर सकेंगे ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**		**HIN-EC- 144**	**हिंदी आलोचना**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी हिंदी में शोधरत विद्यार्थी हिंदी आलोचना के विभिन्न मापदंडों,स्वरूपों का अध्ययन करते हुए समय - समय पर साहित्यिक रचना कर्म और चिंतन को प्रभावित करने वाली विचारधाराओं को तत्कालीन समाज की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के आलोक में देखने - समझने का प्रयास करेंगे।साथ ही भारतीय काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं का अध्ययन करते हुए हिंदी आलोचना के कालक्रम विकास पर विचार करेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के चिंतन - मनन और लेखन को एक गम्भीर आयाम देने में सहायक साबित होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि का अध्ययन करेंगे, साथ ही भारतीय काव्यशास्त्र के मूल सिद्धांतों को सामझते हुए हिंदी आलोचना के उद्भव और विकास की परिस्थितियों, कारणों और महत्व हो जान सकेंगे।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी हिंदि आलोचना के प्रारम्भिक स्वरूप को समझते हुए इस काल के प्रमुख आलोचको भारतेंदु हरिश्चंद्र , बालकृष्ण भट्ट, महावीर प्रसाद द्विवेदी और रामच्नद्र शुक्ल के विचारों का अध्ययन करेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंतर्गत विद्यार्थी शुक्ल युग और शुक्लोत्तर युगीन आलोचना के स्वरूप और सिद्धांतों को जानते हुए हिंदी आलोचना की विभिन्न प्रविधियों पर विचार करेंगे। इस क्रम वे विश्वनाथ प्रसाद सिंह,हजारी प्रसाद द्विवेदी,नंददुराले वाजपेयी, विजयदेव नारायण साही, रामविलास शर्मा और नामवर सिंह जैसे आलोचकों को पढेंगे जो उनमें आलोचना की नयी दृष्टि विकसित करनए में सहायक साबित होंगे।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी हिंदी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के सहित्य के माध्यम से उनकी आलोचना दृष्टि को समझने का प्रयास करेंगे। जयशंकर प्रसाद,सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, प्रेमचंद,अज्ञेय, मुक्तिबोध,निर्मल वर्मा तथा विश्वनाथ प्रसाद तिवारी के साहित्यकर्म के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य और समाज की आलोचनात्मक सम्बन्धों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी समकालीन आलोचना के स्वरूप और दिशा को जानने का प्रयास करेंगे। इस क्रम में वे मार्क्सवादी आलोचना, मैंनेजर पांडेय,विश्वनाथ त्रिपाठी, सुमन राजे, निर्मला जैन, पुरुषोत्तम अग्रवाल,रोहिणी अग्रवाल तथा ओमप्रकाश वाल्मीकि के आलोचनात्मक सिद्धांतों और शैली का अध्ययन निश्चित ही शोधार्थियों को एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करेगा ।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**	**III**	**HIN-EC-145**	**लोक-भाषा, साहित्य और संस्कृति**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी हिंदी के शोद्यार्थी भारतीय लोक साहित्य के माध्यम से लोक संस्कृति,लोकभाषा और लोक जीवन के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।लोक पर्व, लोकगीत,लोकगाथा,लोकनाट्य के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में लोक समाज और लोक साहित्य के प्रति एक गहरी समझ विकसित होगी, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी भाषा, चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल पर पडेगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी भारतीय लोक साहित्य की विस्तृत परम्परा से परिचित हो सकेंगे, लोक के स्वरूप, लक्षण, परिभाषा को जानते हुए उनमें लोक के समाज की वैज्ञानिक समझ विकसित होगी।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी हिंदी भाषी क्षेत्रों में रचित लोक साहित्य का अध्ययन करेंगे, जिनमें हिंदी की जनपदीय बोलियों राजस्थानी,अवधी,बुंदेली,छत्तिसगढी, कौरवी, भोजपुरी आदि में रचित लोक साहित्य का अध्ययन शामिल होगा।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं लोकगीत, लोकगाथा,लोककथा, लोकनाट्य आदि का अध्ययन करते हुए लोकभाषा में प्रचलित मुहावरों, लोकोक्तियों,पहेलिओं आदि पर विचार करेंगे, जिससे उनमें सम्बन्धित क्षेत्र की लोक संस्कृति के प्रति एक गहरी समझ विकसित होगी।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी पश्चिम् जगत में प्रचलित लोक साहित्य के सिद्धांत, स्वरूप, विभिन्न सम्प्रदायों और उनसे सम्बंधित विचारको का अध्ययन करेंगे, जिससे उनमें लोक साहित्य के वैश्विक स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी लोक साहित्य के महत्व, निर्माण प्रक्रिया, उनमें व्यक्त आचार, विचार, आदर्शो की स्थापना का अध्ययन करते हुए समाज और राष्ट्र के निर्माण में लोकसाहित्य के महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
पी.एच.डी. हिंदी साहित्य

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
पी.एच. डी.	**हिंदी**	**Course work**	**HIN-EC-146**	**कथेतर गद्य**	**MID- 40 End sem - 60**	**04**

Course Objectives:- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य की कथेतर गद्य विधाओं के स्वरूप और उनके तत्त्वों से परिचित हो पाएंगे, जिससे उनकी विचार शक्ति, और लेखन क्षमता तो विकसित होगी ही साथ उनकी भाषा शैली और अभिव्यक्ति कौशल भी मजबूत होगा।

Course learning Outcomes:- इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी:-

इकाई- 1 इस इकाई में विद्यार्थी कथेतर गद्य के अन्तर्गत शामिल विभिन्न विधाओं जिनमें निबंध,जीवनी,आत्मकथा, रेखाचित्र,संस्मरण, डायरी, रिपोर्ताज तथा यात्रा साहित्य के स्वरुप और इतिहास से परिचित हो पाएंगे तथा उनकी लेखन प्रतिभा भी विकसित होगी।

इकाई - 2 प्रस्तुत इकाई के अंन्तर्गत विद्यार्थी महादेवी वर्मा द्वारा लिखित रेखाचित्र 'ठकुरी बाबा' पाठ से परिचित हो सकेंगे।

इकाई - 3 पाठ्यक्रम की इस इकाई में विद्यार्थी अज्ञेय द्वारा लिखित संस्मरण 'वसंत का अग्रदूत' के माध्यम से महाप्राण निराला के व्यक्तित्व एवं संघर्ष को निकटता से समझ सकेंगे।

इकाई- 4 इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी 'कलम का सिपाही' जीवनी को पढकर मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व को जान सकेंगे।

इकाई - 5 इस इकाई में हरिवंश राय बच्चन कृत आत्मकथा 'क्या भुलूं क्या याद करुं' के माध्यम से विद्यार्थी आत्मकथा लेखन के स्वरुप से परिचित हो पाएंगे।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System

Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**		**HIN-EC-147**	**भक्तिकाल**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पीएचडी हिंदी में शोधरत विद्यार्थी भक्तिकाल के उदय की पृष्ठभूमि, कारण, भक्ति आन्दोलन से सम्बंधित प्रमुख दर्शनों का अध्ययन करते हुए भक्तिकालीन साहित्य को जानने - समझने का प्रयास करेंगे। इस क्रम में विद्यार्थी भक्तिकाल के प्रमुख रचनाकारों कबीर,सूर,तुलसी तथा मीरा बाई आदि की कृतियों का अध्ययन करते हुए भक्तिकाव्य के प्रमुख आलोचकों के विचारों पर का भी मूल्यांकन करेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में भक्तिकाव्य के सम्बंद्ध में एक व्यापक दृष्टिकोण निर्मित करने में सहायक सिद्ध होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी

इकाई - 1 इस प्रथम इकाई में विद्यार्थी भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि और उससे सम्बंधित दर्शन को समझने का प्रयास करेंगे। अद्वैतवाद,विशिष्टाद्वैतवाद, शुधाद्वैत, बौद्ध दर्शन तथा नाथपंथ का अध्ययन विद्यार्थियों को भक्ति आंदोलन के उद्देश्य से परिचित करवा सकेगा।

इकाई -2 इस क्रम में विद्यार्थी भक्तिकाव्य के प्रमुख आलोचको और उनके आलोचनात्मक ग्रंथो का अध्ययन करेंगे। पीताम्बर दत्तबडथ्वाल, परशुराम चतुर्वेदी,रामचंद्र शुक्ल,हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा तथा मैनेजर पांडेय आदि के आलोचनात्मक विचारों के आलोक में विद्यार्थी भक्तिकालीन काव्य पर चिंतन कर सकेंगे।

इकाई - 3 इस इकाई अंर्तगत विद्यार्थी भक्ति आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में मध्यकालीन इतिहास को समझने का प्रयास करेंगे। जिससे उनमें मध्यकाल की सामाजिक,राजनीतिक और सांस्कृतिक पृष्ठ्भूमि के प्रति एक स्प्ष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई - 4 इस भाग में विद्यार्थी भारतीय नवजागरण काल के संदर्भ में लोकशास्त्र, परम्परा, आधुनिकता राज्य सत्ता, धर्म सत्ता आदि का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए साहित्य और समाज पर पडने वाले प्रभावों का आलोचनात्मक दृष्टि से अध्ययन करेंगे। साथ ही भारतीय नवजागरण काल, आधुनिक काल के संदर्भो में भक्ति आंदोलन के स्वरूप और प्रभावों को भी समझने का प्रयास करेंगे।

इकाई -5 इस क्रम में विद्यार्थी भक्तिकाल के प्रमुख कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन करेंगे, साथ ही कबीर, तुलसीदास, मलिक मोहम्मद जायसी, सूरदास एवं मीराबाई की रचनाओं का अध्ययन करते हुए भक्ति के सगुण और निर्गुन स्वरूप पर विस्तार से विचार कर सकेंगे। जिसके परिणाम स्वरूप उनमें भक्ति के व्यापक स्वरूप को समझने की दृष्टि विकसित होगी।

हिन्दी विभाग
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

Scheme of PhD. Programme in Hindi under CBCS System
Objectives and Learning Outcomes of Ph.d.in Hindi

हिन्दी विभाग						
Class	**Subject**	**Semester**	**Course Code**	**Course Title**	**Marks**	**Credit**
PhD	**हिन्दी**		**HIN-CC-148**	**साहित्य समीक्षा**	**MID - 40 End Sem-60**	**04**

Course Objectives: - इस पाठ्यक्रम में पीएचडी हिंदी में शोधरत विद्यार्थी साहित्य समीक्षा के अंतर्गत साहित्य, आलोचना कथा, कविता एवं कथेतर गद्य के साथ साहित्य एवं संस्कृति से सम्बंधित अन्य विषय क्षेत्र, जिन पर विद्यार्थी को शोध विषय दिये गये हो होंगे, उसके अनुरूप एवं उससे सम्बंधित शोध, रिपोर्ट तथा दो पुस्तकों की समीक्षा करायी जायेगी, जो उसके शोध एवं ज्ञान में गुणात्मक वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

Course learning Outcomes: - इस पाठ्यक्रम के समापन पर विद्यार्थी अपने शोध आलेख के साथ - साथ अपने विषय पर प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत करना और साथ ही शोध विषय से सम्बंधित आधार ग्रंथों , सहायक ग्रंथों की सूचि बनाना भी सीख सकेंगे।